दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-15, अंक -153 जबलपुर, रविवार 12 जुलाई 2026 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

दतिया से नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने पर हाईवे पर 12 घंटे तक मचा बवाल, धारा 163 लागू, बिना अनुमति सभा और जुलूस पर प्रतिबंध

नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों का फूटा गुस्सा, दतिया में 12 घंटे जाम रहा एनएच- 44, पुलिस पर पथराव

दतिया. एमपी के दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा द्वारा डॉ. नरोत्तम मिश्रा की जगह आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद विरोध प्रदर्शन उग्र हो गया. शुक्रवार शाम 5ः30 बजे शुरू हुआ चक्काजाम शनिवार सुबह करीब 5 बजे तक जारी रहा, जिससे ग्वालियर-झांसी हाईवे पर लगभग 15-20 किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई. 12 घंटे भारी बवाल के बाद कलेक्टर ने धारा 163 लागू कर दी है. साथ ही उन्होंने बिना अनुमति सभा और जुलूस निकालने पर प्रतिबंधित लगा दिया है.

शनिवार तडके करीब 4ः30 बजे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई. प्रशासन के अनुसार पथराव में एसपी, भांडेर एसडीओपी सहित 8 पुलिसकर्मी घायल हुए. इस दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए. जिसके बाद अधिकांश प्रदर्शनकारी पास बने भाजपा कार्यालय की ओर भाग खड़े हुए. कलेक्टर के अनुसार लाठीचार्ज नहीं किया गया. वहीं भाजपा नगर अध्यक्ष सहित पूरी कार्यकारिणी ने पदों से इस्तीफा दे दिया है. साथ ही बीजेपी कार्यालय में तालाबंदी कर दी गई है.

प्रशासन ने अब क्व्हस् की धारा 163 लागू कर दी है। छ्रूस्वप्निल वानखेड़े ने कहा, सुबह 5 बजे तक ट्रैफ़िक जाम रहा। इससे चार जिले—दतिया, झांसी, शिवपुरी और ग्वालियर—प्रभावित हुए। ग्वालियर सबसे ज़्यादा प्रभावित इलाका था, जहाँ कई एम्बुलेंस जाम में फंसी रहीं। हम कल से ही उन्हें समझाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन प्रदर्शनकारी सुनने को तैयार नहीं थे; हमने सुबह 4 बजे फिर कोशिश की, लेकिन तब उन्होंने पत्थरबाज़ी शुरू कर दी।

उन्होंने आगे कहा, इसके बाद, भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हमने आंसू गैस के गोले छोड़े। पत्थरबाज़ी में हमारे आठ जवान गंभीर रूप से घायल हो गए और तीन-चार पुलिस गाड़ियों के शीशे टूट गए। इस दौरान हमारी तरफ़ से कोई लाठीचार्ज या पत्थरबाज़ी नहीं की गई। हमने आंसू गैस का इस्तेमाल तभी किया जब उन्होंने हमारी चेतावनियों पर ध्यान नहीं दिया। हालाँकि, अगर वे अब भी नहीं समझते हैं और 5 से 10 लोगों के समूह में बाहर निकलने की कोशिश करते हैं, तो हम कार्रवाई करने के लिए तैयार हैं। दतिया के स्क्र मयूर खंडेलवाल ने ॅह्ढ को बताया, कल दतिया शहर में 3000 से ज़्यादा उपद्रवियों ने माहौल खराब करने की कोशिश की। उन्होंने बाज़ार बंद कराने की कोशिश की। वे कल शाम 6 बजे से ही %चक्का जाम% के लिए यहां बैठे थे। कलेक्टर और मैंने उनसे कई बार यहां से जाने और चक्का जाम खत्म करने के लिए कहा। इसकी वजह से करीब 15 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। आस-पास के जिले भी प्रभावित हो रहे हैं। सुबह करीब 4 बजे उन्होंने अचानक पुलिस पर पत्थरबाज़ी शुरू कर दी।

उन्होंने कहा, पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसके बाद पत्थरबाज़ी और तेज़ हो गई। हमारे 6 से ज़्यादा जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। उन सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुझे और एडिशनल स्क्र को भी चोटें आईं। फिर हमने दोबारा आंसू गैस के गोले छोड़े और उन्हें खदेड़ दिया। वे अब छिपे हुए हैं। उनसे कहा गया है कि या तो सरेंडर करें या शांति से चले जाएं। %चक्का जाम% बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ट्रैफिक जाम हटाया जा रहा है। दतिया में हर जगह पुलिस बल तैनात है। नरोत्तम मिश्रा राज्य के पूर्व गृह मंत्री रहे हैं। मिश्रा 2008 से दतिया विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (क्छ्ढक्क) के इस नेता ने हर बार पूर्व विधायक राजेंद्र भारती को हराया। उन्होंने पहली बार 1990 में डबरा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीता और बहुजन समाज पार्टी (क्ष्स्क्क) के उम्मीदवार लाल घाघेले को 7,000 से ज़्यादा वोटों के अंतर से हराया। हालांकि, वे अगला चुनाव हार गए और 1993 में क्ष्स्क्क के जवाहर सिंह रावत और कांग्रेस उम्मीदवार सीताराम दुबे के बाद तीसरे स्थान पर रहे। मिश्रा ने 1998 और 2003 में डबरा से अगले दो चुनाव जीते।

दतिया में टिकट कटने के बाद आई नरोत्तम मिश्रा की पहली प्रतिक्रिया, समर्थकों से बोले- संयम रखें, पेट्रोल डालने जैसी हरकतें न करें

ग्वालियर। दतिया विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी द्वारा कद्दावर नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद क्षेत्र में भारी बवाल मच गया है। टिकट कटने से नाराज समर्थकों के उग्र प्रदर्शन और आत्मदाह की कोशिशों के बीच डॉ. नरोत्तम मिश्रा का पहला बड़ा बयान सामने आया है। मीडिया के माध्यम से अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं को संदेश देते हुए डॉ. मिश्रा ने कहा कि टिकट न देना पार्टी का शीर्ष नेतृत्व का निर्णय है, इसलिए सभी कार्यकर्ता संयम बनाए रखें। उन्होंने सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो फुटेज का हवाला देते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन के नाम पर मिट्टी का तेल या पेट्रोल डालने जैसी हरकतें करना बिल्कुल ठीक नहीं है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को हिदायत दी कि वे किसी भी सूरत में मार्ग अवरुद्ध न करें, क्योंकि पार्टी फोरम पर अपनी बात रखने का एक तय तरीका होता है और इस तरह का उग्र प्रदर्शन कतई स्वीकार्य नहीं है।

दतिया घमासान के बीच भोपाल पहुंचे डॉ. नरोत्तम मिश्रा, बोले- पार्टी का निर्णय सही, किसी से कोई नाराजगी नहीं, पार्टी जो कहेगी करूंगा

भोपाल।(आरएनएस)। दतिया उपचुनाव में टिकट न दिए जाने पर शुक्रवार रात दतिया में हुए विरोध प्रदर्शन के बाद पूर्व गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा शनिवार शाम भोपाल पहुंचे। मीडिया से चर्चा में नरोत्तम मिश्रा ने कार्यकर्ताओं के हिंसक विरोध को गलत बताया। उन्होंने कहा कि वह किसी से नाराज नहीं हैं। उन्हें पार्टी का निर्णय स्वीकार है, पार्टी जो भी फैसला करती है, वह सही होता है और इसे मानना चाहिए। कार्यकर्ताओं में जो नाराजगी दिख रही है, वह क्षणिक आवेश है, धीरे-धीरे सब सामान्य हो जाएगा। पार्टी के किसी बड़े नेता से बात होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मेरा मोबाइल बंद था, किसी भी वरिष्ठ नेता ने अब तक बात नहीं की। उन्होंने यह भी कहा कि दतिया उपचुनाव के लिए भाजपा ने जिनको (आशुतोष तिवारी) को टिकट दिया है, उनको जिताएंगे। मैं हमेशा संगठन के आदेश का पालन करूंगा, पार्टी आगे जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे पूरी निष्ठा से निभाऊंगा। इसके बाद देर शाम भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल नरोत्तम मिश्रा को लेकर सीएम आवास पहुंचे।

हमारा और भारत का DNA एक...भारत से बोला तालिबान, पाकिस्तान को लगी मिर्ची

नई दिल्ली-(आरएनएस)। तालिबान चाहता है कि भारत अफगानिस्तान को आधुनिक खेती की तकनीक, अच्छे और भरोसेमंद बीज, फलों की प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज और कृषि उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग व बिक्री में मदद करी।

एक तरफ पाकिस्तान के साथ तनाव चरम पर है तो दूसरी तरफ तालिबान भारत के साथ अपने रिश्तों को लगातार मजबूत करने में जुटा है और इसी कड़ी में तालिबान के कृषि सिंचाई और पशुपालन मंत्री अताउल्लाह उमारी का भारत दौरा कई मायनों में बेहद अहम माना जा रहा है और यह दौरा बदलते क्षेत्रीय समीकरणों और नई कूटनीतिक दिशा का भी बड़ा संकेत है और भारत पहुंचते ही अताउल्ला उमारी ने जो बात कही उसने इस दौरे की अहमियत और बढ़ा दी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारत और अफगानिस्तान का रिश्ता कोई आज का रिश्ता नहीं बल्कि सदियों पुराना है। उन्होंने कहा कि यहां आने के

बाद मुझे ऐसा लगा जैसे मैं अपने ही लोगों के बीच में हूं। मुझे कभी भी नहीं लगा कि मैं किसी अजनबी देश में हूं। इतना ही नहीं उन्होंने दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे जुड़ाव का जिक्र करते हुए यह तक कह दिया कि हमारा डीएनए एक है। इस बयान को तालिबान की ओर से भारत के प्रति सकारात्मक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

तालिबान चाहता है कि भारत अफगानिस्तान को आधुनिक खेती की तकनीक, अच्छे और भरोसेमंद बीज, फलों की प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज और कृषि उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग व बिक्री में मदद करी। इसके अलावा तालिबान ने भारत को डेयरी, पोल्ट्री, एनिमल ब्रीडिंग और आर्टिफिशियल इंसमिनेशन जैसे क्षेत्रों में निवेश का न्योता दिया। अफगानिस्तान का कहना है कि वह केमिकल फर्टिलाइज़र्स पर निर्भरता कम करके ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देना चाहता है। साथ ही वह चाहता है कि भारत किसानों तक नई तकनीक पहुंचाने और रूरल डेवलपमेंट में भी सहयोग करें। इसके अलावा काबुल में होने वाली एग्रीकल्चर एक्सो में भारतीय कंपनियों को हिस्सा लेने का निमंत्रण भी दिया गया। अगर पिछले करीब एक साल पर नजर डालें तो यह भारत आने वाले तालिबान के चौथे वरिष्ठ मंत्री हैं। इससे पहले तालिबान के विदेश मंत्री, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री भी नई दिल्ली का दौरा कर चुके हैं।

दोनों पक्षों के बीच संपर्क लगातार बढ़ रहा है और भारत ने भले ही अब तक तालिबान सरकार को औपचारिक मान्यता नहीं दी है, लेकिन व्यवहारिक स्तर पर बातचीत और सहयोग का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते भी नए-नए हैं। पिछले दो दशकों में भारत ने अफगानिस्तान में अरबों रुपए की विकास परियोजनाएं पूरी की हैं। संसद भवन का निर्माण, सलमाबान, सड़कें, बिजली परियोजनाएं, स्कूल, अस्पताल और मानवीय सहायता। भारत लगातार अफगानिस्तान के लोगों के साथ खड़ा रहा। 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद भी भारत ने मानवीय सहायता, दवाइयां, गेहूं और अन्य जरूरी सामान की आपूर्ति जारी रखी। भारत की कोशिश रही है कि अफगानिस्तान की जनता तक मदद पहुंचती रहे और क्षेत्र में स्थिरता बनी रहे और यही वजह है कि आज अफगानिस्तान अगर सबसे ज्यादा भरोसा किसी देश पर करता है तो वो भारत है। हाल के महीनों में पाकिस्तान और तालिबान के रिश्ते लगातार बिगड़े हैं। सीमा पर कई बार संघर्ष हुआ है।

18 साल बाद फिर दतिया के रण में घनश्याम सिंह, कांग्रेस ने पूर्व सांसद के बेटे को दिया टिकट, दिलचस्प हुआ मुकाबला

दतिया।(आरएनएस)। दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने पूर्व विधायक एवं दतिया राजपरिवार के संरक्षक घनश्याम सिंह के नाम पर मोहर लगा दी है। इस उपचुनाव में उनका मुकाबला भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी से होगा। 71 वर्षीय घनश्याम सिंह ने एमए तक शिक्षा प्राप्त की है। उनके पिता महाराज कृष्णसिंह जूदेव वर्ष 1984 में भिंड-दतिया लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के सांसद भी रहे थे। स्वयं घनश्याम सिंह दतिया विधानसभा क्षेत्र से दो बार और सेवढ़ा विधानसभा क्षेत्र से एक बार विधायक रह चुके हैं। घनश्याम सिंह ने वर्ष 1993 में कांग्रेस के टिकट पर अपना पहला विधानसभा चुनाव जीता था। लेकिन 1998 के विधानसभा चुनाव में उन्हें पार्टी से टिकट नहीं मिल सका था। इसके बाद वर्ष 2003 में कांग्रेस ने दोबारा उन पर भरोसा जताया। इस बार उन्होंने राजेंद्र भारती को हराकर विधानसभा में वापसी की।

लेकिन 2008 के चुनाव में उन्हें भाजपा के उम्मीदवार डा.नरोत्तम मिश्रा से पराजय का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने सेवढ़ा विधानसभा का रुख किया और वहां से एक बार

विधायक बने। दतिया के बाद कांग्रेस ने वर्ष 2013 में घनश्याम सिंह को सेवढ़ा विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा। यहां वे भाजपा के प्रदीप अग्रवाल से करीब 1800 मतों के अंतर से हार गए।

सेवढ़ा में जीत-हार और 18 साल बाद दतिया वापसी

लेकिन वर्ष 2018 में उन्होंने भाजपा के राधेलाल बघेल को बड़े अंतर से हराकर जीत दर्ज की। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने एक बार फिर उन्हें सेवढ़ा से प्रत्याशी बनाया, लेकिन इस बार भाजपा के प्रदीप अग्रवाल से ही उनका मुकाबला हुआ। जिसमें वह पराजित हो गए। अब एक बार फिर 18 साल बाद घनश्याम सिंह दतिया से ही चुनाव मैदान में उतरे हैं।

बीच सुनवाई पहले जज पर फेंके कागज, फिर गाली देते हुए बोला- इसे CJI को दे देना, Supreme Court में हाई-वोल्टेज ड्रामा

नई दिल्ली-(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट में नाटकीय हालात देखने को मिले, जब इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती देने वाली अपनी याचिका पर सुनवाई के दौरान, खुद पेश हुए एक शिकायतकर्ता ने बेंच की तरफ़ कागज़ात फेंके और अपशब्द कहे। सुरक्षाकर्मियों ने उसे तुरंत कोर्ट रूम से बाहर निकाल दिया। यह घटना जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच के सामने हुई। कोर्ट रूम का माहौल तब तनावपूर्ण हो गया जब याचिकाकर्ता ने जजों से बात करते हुए असामान्य रूप से आक्रामक लहज़ा अपनाया। शिकायतकर्ता ने अपनी दलीलों की शुरुआत में कहा कि माननीय न्यायिक सेवक, मैं आपको लखनऊ के एसीपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश देता हूं। इस टिप्पणी से अचंभित होकर न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने पूछा कि आप मुझे आदेश दे रहे हैं? आप हमें आदेश दे रहे हैं?

कोर्ट में जवाब देते हुए शिकायतकर्ता ने कहा

कि मेरी तरफ से बस इतना ही है। सब कुछ रिकॉर्ड पर है। लाइव लॉ के अनुसार, इसके कुछ ही देर बाद मामला तब और बढ़ गया जब याचिकाकर्ता ने अपने केस के कागज़ात हवा में उछाल दिए और आरोप है कि चीफ जस्टिस के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत उस बेंच का हिस्सा नहीं थे। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत दखल दिया और उन्हें कोर्टरूम से बाहर निकालकर स्थिति को सामान्य किया। इस पूरी घटना के दौरान बेंच शांत रही और उसने इस गुस्से भरी प्रतिक्रिया पर कोई जवाब नहीं दिया।

दूतावास ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

24 भारतीय पर्यटकों से भरी नाव वियतनाम के समुद्र में पलटी, 15 की मौत

हनोई.(आरएनएस)। छुट्टियां मनाने वियतनाम गए भारतीय पर्यटकों के लिए उनका यह सफर एक बड़े और खौफनाक हादसे में तब्दील हो गया है. वियतनाम के मशहूर फु क्वोक द्वीप के पास दर्जनों पर्यटकों को ले जा रही एक नाव अचानक समुद्र में पलट गई. स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस भयानक हादसे में अब तक 15 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है, हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि जान गंवाने वालों में कितने भारतीय नागरिक शामिल हैं. घटना के तुरंत बाद स्थानीय अधिकारियों और आसपास के लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक, इस दुर्भाग्यपूर्ण नाव में कुल 24 भारतीय नागरिक सवार थे. एक पर्यटक श्रीनिवास ने बताया कि भारत के आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु से कुल 105 पर्यटकों का एक बड़ा ग्रुप वियतनाम घूमने गया था. हादसे का शिकार हुई नाव में आंध्र प्रदेश के 5 और तमिलनाडु के 17 लोग मौजूद थे. फिलहाल आंध्र प्रदेश के 2 लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं, जबकि 3 को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इसके अलावा तमिलनाडु के भी कई पर्यटकों का अस्पताल में इलाज चल रहा है.

एमपी- आलीराजपुर में 8 डकैतों ने गैंगरेप कर महिला के प्राइवेट पार्ट में लकड़ी डाली,एक किलो चांदी भी ले गए

आलीराजपुर.(आरएनएस)। एमपी के आलीराजपुर जिले के बोरी क्षेत्र में शुक्रवार देर रात हथियारबंद बदमाशों ने एक विधवा महिला के घर में घुसकर लूटपाट की. बदमाशों ने महिला को बंधक बनाकर गैंगरेप किया. इस दौरान उसके प्राइवेट पार्ट में लकड़ी डाल दी. पीड़िता को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश है. निष्पक्ष जांच, आर्थिक मदद और थाना प्रभारी को हटाने की मांग की की जा रही है. वहीं, पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. शनिवार को एसपी ने घटनास्थल का दौरा कर अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं.

8 किलो चांदी की तलाश में घर खोद डाला

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार रात करीब 8 से 10 हथियारबंद बदमाश दरवाजा तोड़कर पीड़ित महिला के घर में घुस गए. बदमाशों ने हथियारों के दम पर महिला को बंधक बनाया और निर्वस्त्र कर दिया. बदमाशों को शक था कि महिला ने घर में 8 किलोग्राम चांदी छिपा रखी है. डरी-सहमी महिला ने अपने पास की 1 किलोग्राम चांदी उन्हें सौंप दी, लेकिन वे बाकी चांदी की मांग पर अड़े रहे. चांदी की तलाश में बदमाशों ने घर का सामान बिखेर दिया और भीतर तीन से चार जगह खुदाई की.

अस्पताल में भर्ती, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश फरार हो गए. बोरी थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश शुरू कर दी है.

निष्पक्ष जांच, आर्थिक मदद और थाना प्रभारी को हटाने की मांग

आलीराजपुर जिले के बोरी क्षेत्र में आदिवासी विधवा महिला के साथ लूट और सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश है. आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष और कांग्रेस नेता महेश पटेल ने इसे मानवता को शर्मसार करने वाला अपराध बताते हुए कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं. मांगें पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी महेश पटेल ने कहा कि अगर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई और थाना प्रभारी को हटाने की मांग पर अमल नहीं हुआ, तो आदिवासी विकास परिषद पूरे जिले में व्यापक जन आंदोलन करेगी.

विधवा महिला के साथ लूट और सामूहिक दुष्कर्म की वारदात के बाद शनिवार को आलीराजपुर एसपी रघुवंश सिंह भदौरिया पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे. उन्होंने पीड़ित महिला के घर और आसपास के इलाके का बारीकी से मुआयना किया.

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी ग्वारीघाट कन्हैया बघेल ने बताया कि रात में विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि रामघाट की सीढ़ी के नीचे एक व्यक्ति पिस्टल लिये घूम रहा है, सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई, उमाघाट की सीढ़ी के नीचे मुखबिर के बताये हुलिये का व्यक्ति पुलिस को देखकर छिपने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया, जिसनें नाम पता पूछने पर अपना नाम आकाश उर्फअक्कू बर्मन उम्र 21 वर्ष निवासी ककरैया तलैया जोनी भटरा का मकान छोटी लाईन फाटक गोरखपुर बताया,

विकास कार्यों का महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय, निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, एम.आई.सी. सदस्यों, एवं पार्षदों ने मिलकर किया भूमिपूजन

शहर में विकास की रफ्तार तेज - महापौर अन्नू

स्टेट बैंक कॉलोनी के अंतर्गत पटैल केटर्स से वैभव जैन के घर तक तक सी.सी. सड़क का होगा निर्माण, हुआ कार्य का शुभारंभ

नगर निगम द्वारा नागरिकों को दी 1.25 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर विकास और जन-सुविधाओं को सुदृढ़ करने के संकल्प के साथ शहर में विकास कार्यों की रफ्तार लगातार तेज होती जा रही है। इसी कड़ी में स्टेट बैंक कॉलोनी क्षेत्र में विकास का एक नया अध्याय जुड़ गया है। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', क्षेत्रीय विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय, और निगमाध्यक्ष रिकुंज विज ने एम.आई.सी. सदस्यों व स्थानीय पार्षदों की गरिमामयी उपस्थिति में 1 करोड़ 25 लाख रूपये की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन कर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर स्टेट बैंक कॉलोनी के अंतर्गत पटेल केटर्स से लेकर वैभव जैन के घर तक बनने वाली सी.सी. सड़क निर्माण कार्य की आधारशिला रखी गई। यह सड़क आने वाले समय में क्षेत्र के नागरिकों के लिए आवागमन को सुगम और सुरक्षित बनाएगी।

जनता की उम्मीदों पर खरा उतर रहा निगम - महापौर श्री ''अन्नू''

महापौर श्री जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने इस मौके पर कहा कि शहर के हर वार्ड और हर कॉलोनी तक विकास की रोशनी पहुंचाना हमारा ध्येय है। 1.25 करोड़ की लागत से शुरू हो रहे ये कार्य स्थानीय नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने नगर निगम की पूरी टीम और जनप्रतिनिधियों के आपसी समन्वय की सराहना करते हुए कहा कि जबलपुर को एक आदर्श और सुव्यवस्थित शहर बनाने के लिए निर्माण कार्यों की गति को और तेज किया जाएगा।

क्षेत्रों में विकास का पहिया अब प्रगति पर - डॉ. अभिलाष पाण्डेय

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने कहा कि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि विकास का पहिया अब पूरी गति से प्रगति पथ पर अग्रसर है और आने वाले समय में बुनियादी ढांचे को और अधिक मजबूत किया जाएगा ताकि नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

क्षेत्रीय नागरिकों में हर्ष, जताया आभार

लंबे समय से प्रतीक्षित इन विकास कार्यों की सौगात मिलने पर स्टेट बैंक कॉलोनी और आस-पास के क्षेत्रीय नागरिकों में भारी उत्साह और हर्ष का माहौल देखा गया। स्थानीय निवासियों ने कार्यक्रम के दौरान महापौर, विधायक, निगमाध्यक्ष, एम.आई.सी. सदस्यों और पार्षदों का आत्मीय स्वागत किया और क्षेत्र की सूरत बदलने वाले इन कार्यों के लिए पूरी नगर निगम का सहृदय धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर एम.आई.सी. सदस्य विवेक राम सोनकर, श्रीमती अंशुल राघवेंद्र यादव, वरिष्ठ पार्षद कमलेश अग्रवाल, वार्ड पार्षद श्रीमती सोनिया रंजीत सिंह, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती मधुबाला सिंह राजपूत, श्रीमती प्रतिभा भापकर, श्रीमती मोनिका सिंह, संभागीय यंत्री वीरेंद्र पाण्डेय के साथ नगर निगम के अधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक रंजीत पटैल, शंकर श्रीवास्तव, रमेश रैकवार, नंदकुमार यादव, अमर पटैल, दिलीप पटैल, पुष्पराज पांडे, राजेश तिवारी एवं संतोषी जी आदि उपस्थित रहे।

अकलेरा-कोटा-अकलेरा एवं छबड़ा गुगोर-सोगरिया-छबड़ा गुगोर के मध्य दो जोड़ी स्पेशल रेलगाड़ियों का संचालन

आरपीएससी वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा-2026 = अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए कोटा मंडल में 12 से 18 जुलाई तक चलेंगी 4 परीक्षा स्पेशल अनारक्षित गाड़ियां

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2026 दिनांक 12 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल द्वारा 12 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन दो जोड़ी (कुल चार) परीक्षा स्पेशल अनारक्षित रेलगाड़ियों का संचालन किया जाएगा।

गाड़ी संख्या 09803/09804 अकलेरा-कोटा-अकलेरा तथा गाड़ी संख्या 09802/09801 छबड़ा गुगोर-सोगरिया-छबड़ा गुगोर के मध्य परीक्षा स्पेशल अनारक्षित गाड़ियों का संचालन किया जाएगा।

गाड़ी संख्या 09803, अकलेरा-कोटा परीक्षा स्पेशल अकलेरा से प्रात: 03=05 बजे प्रस्थान कर अमेठा (03=15), जूनाखेड़ा (03=36), झालरापाटन (03=48), झालावाड़ सिटी (03=56), जुल्मी (04=12), रामगंज मंडी (04=25), मोड़क (04=36), कंवलपुरा (04=44), दरा (04=59), रावठा रोड (05=11), अलनिया (05=22), दाढ़देवी (05=34) तथा न्यू कोटा (05=43) होते हुए 06=25 बजे कोटा पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 09804, कोटा-अकलेरा परीक्षा स्पेशल कोटा से रात्रि 20=30 बजे प्रस्थान कर न्यू कोटा (20=47),दाढ़देवी (20=57), अलनिया (21=06), रावठा रोड (21=17), दरा (21=29), कंवलपुरा (21=40), मोड़क (21=50), रामगंज मंडी (22=00), जुल्मी (22=15), झालावाड़ सिटी (22=30), झालरापाटन (22=43), जूनाखेड़ा (23=08) तथा अमेठा (23=23) होते हुए 00=25 बजे अकलेरा पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 09802, छबड़ा गुगोर-सोगरिया परीक्षा स्पेशल छबड़ा गुगोर से प्रात: 04=30 बजे प्रऊस्थान कर केशोली (04=38), सालपुरा (04=46), अटरू (05=00), पिपलोद रोड (05=09), छजावा (05=19), बारां (05=30), सुन्दलक (05=42), बिजौरा (05=50), अन्ता (06=03), भौंरा (06=19), श्री कल्याणपुरा (06=30), दिगोद (06=44) तथा चन्द्रेसल(06=55) होते हुए 07=30 बजे सोगरिया पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 09801, सोगरिया-छबड़ा गुगोर परीक्षा स्पेशल सोगरिया से सायं 19=15 बजे प्रस्थान कर चन्द्रेसल (19=21), दिगोद (19=30), श्री कल्याणपुरा (19=38), भौंरा (19=46), अन्ता (19=59), बिजौरा (20=10), सुन्दलक (20=18), बारां (20=26), छजावा (20=41), पिपलोद रोड (20=51), अटरू (21=00), सालपुरा (21=15) तथा केशोली (21=30) होते हुए 22=00 बजे छबड़ा गुगोर पहुंचेगी। इन परीक्षा स्पेशल गाड़ियों के संचालन से झालावाड़, बारां एवं आसपास के क्षेत्रों के अभ्यर्थियों को कोटा स्थित परीक्षा केन्द्रों तक समय पर एवं सुविधाजनक रेल यात्रा उपलब्ध होगी। रेल प्रशासन ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा के दौरान इन विशेष गाड़ियों का अधिकाधिक उपयोग करें तथा नियमित ट्रेनों में अनावश्यक भीड़ बढ़ाने से बचें। भीड़ प्रबंधन के लिए प्रमुख स्टेशनों पर टिकट जांच कर्मचारियों एवं रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की गई है। सभी अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे वैध रेल टिकट लेकर ही यात्रा करें।

गाड़ियों की वास्तविक स्थिति की जानकारी यात्री एनटीईएस ऐप अथवा के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

हनुमानताल के नर्मदा नर्सरी एवं वल्लभ विद्यालय में सजेगा जिला स्तरीय जूडो का मंच

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जिला शिक्षा अधिकारीए जबलपुर के मार्गदर्शन एवं नर्मदा नर्सरी एवं वल्लभ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयए हनुमानताल के संयोजन में जिला स्तरीय शालेय बालक एवं बालिका ;14ए 17 एवं 19 वर्षद्ध जूडो प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। वरिष्ठ कार्यालय के निर्देशानुसारए यह प्रतियोगिता दिनांक 16 जुलाई 2026 से 18 जुलाई 2026 तक नर्मदा नर्सरी एवं वल्लभ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयए हनुमानतालए जबलपुर के परिसर में खेली जाएगी।

प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक सभी विद्यालयों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने प्रतिभागियों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की समस्त औपचारिकताएँ एवं आवश्यक दस्तावेज़ दिनांक 16ध07ध2026 को आयोजन संस्था के पास अनिवार्य रूप से जमा करें। महत्वपूर्ण निर्देशरू केवल उन्हीं विद्यालयों और प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में सम्मिलित किया जाएगा जिनके समस्त दस्तावेज़ एवं रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूर्ण होगी। दस्तावेज़ अपूर्ण होने की स्थिति में संबंधित संस्था स्वयं जिम्मेदार होगी प्रत्येक खिलाड़ी को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की 5 प्रतियाँ लानी होंगी। प्रत्येक प्रति के साथ पिछले 3 वर्षों की अंकसूचीए ख्आधार कार्ड ओमिटेड,ए समग्र आईडी तथा बैंक पासबुक की छायाप्रति और साथ में 02 पासपोर्ट आकार के नवीनतम फ़ेटोग्राफ संलग्न करना अनिवार्य है। इसके अलावाए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रत्येक प्रति पर संबंधित संस्था के प्राचार्य एवं संकुल प्राचार्य के हस्ताक्षर व सील होना भी अनिवार्य किया गया है। सभी विद्यालयों के कोचों को सूचित किया जाता है कि वे अपना रजिस्ट्रेशन पूर्ण कर उसे संकुल स्तर तक फॉरवर्ड कराएँ तथा संकुल द्वारा चयनित खिलाड़ियों की आधिकारिक सूची अपने साथ अनिवार्य रूप से लाएँ। इसके साथ हीए दिनांक 16ध07ध2026 ;गुरुवारद्ध को नर्मदा नर्सरी एवं वल्लभ विद्यालय में उपस्थित होकर अपने सभी प्रतिभागियों के दस्तावेजों का सत्यापन कराना अनिवार्य है। इसके बिना टीम को प्रतियोगिता में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अपूर्ण दस्तावेज अथवा सत्यापन न कराने की स्थिति में संबंधित विद्यालय या प्रतिभागी को प्रतियोगिता में सम्मिलित नहीं किया जाएगाए जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित संस्था की होगी। प्रतियोगिता से जुड़ी अधिक जानकारी या संपर्क के लिए वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान से उनके मोबाइल नंबर 6265428080 पर संपर्क किया जा सकता है।

हज़रत हाफ़िज़ नूरानी अल-मुख़्तारे (मिलिट्री वाले बाबा) का उर्स मुबारक अकीदत के साथ सम्पन्न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। सदर स्थित जैक सेंटर परिसर में हज़रत हाफ़िज़ नूरानी अल-मुख़्तारे रहमतुल्लाह अलैह (मिलिट्री वाले बाबा) का सालाना उर्स मुबारक शनिवार को पूरे अकीदत व एहतराम के साथ मनाया गया। उर्स के अवसर पर शहर एवं आसपास से बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने दरगाह शरीफ़ पहुंचकर चादरपोशी, गुलपोशी और फ़ातिहा ख़ूवानी की तथा मुल्क में अमन, भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआएँ कीं।

शाम 4 बजे एस.के. टेलर, गली नंबर-9 से चादर जुलूस निकाला गया, जो विभिन्न मार्गों से होता हुआ दरगाह शरीफ़ पहुंचा। जुलूस में अकीदतमंदों ने नात-ओ-मनक़बत का नज़राना पेश किया। दरगाह पहुंचने पर परंपरानुसार चादरपोशी, गुलपोशी और फ़ातिहा की रस्म अदा की गई। इसके बाद सभी ज़ायरीन में तबर्रुक़ तकसीम किया गया। इस अवसर पर अकबर खान सरवर, हाजी अब्दुल वहीद, सिकंदर बाबा, सूफ़ी आमिर सुलतानी, अफ़ज़ल बाबा, अन्ना बाबा, बाबू बाबा, आज़म भाई सहित सैकड़ों अकीदतमंद मौजूद रहे। उर्स कमेटी ने आयोजन में शिरकत करने वाले सभी ज़ायरीन, एवं ख़िदमतगारों का शुक्रिया अदा किया ।

कृषि से जुड़े विषयों पर किसान संघों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक संपन्न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कलेक्टेर राघवेन्द्र सिंह की अध्य क्षता में आज कलेक्ट्रे ट सभाकक्ष में कृषि से जुड़े विषयों को लेकर किसान संघों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंकने कृषि संबंधी समस्याओं के समाधान पर विस्तृबत चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यषक निर्देश दिये। बैठक में मुख्यन रूप से खाद, बिजली और नहरों से पानी की उपलब्धयता पर चर्चा की गई। कलेक्टेर श्री सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि किसानों की समस्यांओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करें। इसके साथ ही उन्हों ने कहा कि कृषि संबंधी अन्यक गतिविधियों को अपनाकर किसान न केवल आय बढ़ा सकते हैं बल्कि आय में निरंतरता भी प्राप्त कर कर सकते हैं।

बैठक में भारतीय किसान संघ के संभागीय उपाध्याक्ष श्री दामोदर पटेल, श्री मुकुल पचौरी सहित विभिन्नि किसान संघों के पदाधिकारी एवं सदस्यी तथा कृषि से जुड़े विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जिले में जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ

सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी ने हरी झंडी दिखाकर जनजागरूकता रथ एवं रैली को किया रवाना

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शासन के निर्देशानुसार जिले में 11 से 18 जुलाई 2026 तक जनसंख्या स्थिरीकरण, परिवार नियोजन तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैलियां, प्रचार-प्रसार गतिविधियां, विशेष परिवार नियोजन शिविर तथा सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अभियान का शुभारंभ शनिवार को सेठ गोविंददास जिला चिकित्सालय परिसर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी द्वारा जनजागरूकता रथ एवं रैली को हरी झंडी दिखाकर किया गया।

रथ एवं रैली ने शहर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए परिवार नियोजन, सुरक्षित मातृत्व तथा स्वस्थ परिवार का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. जया श्रीवास्तव, डॉ. कमलेश कुमार वर्मा, डॉ. पंकज ग्रोवर, आरएमओ डॉ. वैशाली खन्ना, जिला मीडिया अधिकारी श्री अजय कुरील, अस्पताल प्रबंधक श्री अरुण शाह, श्रीमती विनीता सोनी, श्री जितेन्द्र सोनकर, श्री विकास श्रीवास्तव, श्री बृजेश मिश्रा, श्री प्रणय खरे, श्री इंद्रभान, नर्सिंग कॉलेज का स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी ने बताया कि इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस की थीम ॥ है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ माँ और स्वस्थ शिशु के लिए गर्भधारण के बीच उचित अंतराल अत्यंत आवश्यक है। अभियान के दौरान विवाह के बाद उचित समय पर संतानोत्पत्ति, बच्चों के जन्म में उचित अंतराल, प्रसवोत्तर परिवार नियोजन सेवाओं का उपयोग, पुरुष सहभागिता तथा परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों के प्रति व्यापक जनजागरूकता लाई जाएगी। इसके साथ ही जिलेभर में विशेष परिवार नियोजन सेवा शिविर भी आयोजित किए जाएंगे।

विश्व जनसंख्या दिवस के शुभारंभ अवसर पर सेठ गोविंददास जिला चिकित्सालय में पुरुष एवं महिला नसबंदी शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में सुपरवाइजर श्री जितेन्द्र सोनकर के मार्गदर्शन में 2 पुरुष नसबंदी तथा 21 महिलाओं के एलटीटी (महिला नसबंदी) ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न कराए गए।

भोपाल -पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि प्रदेश सरकार नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। आमजन की समस्याओं का त्वरित और स्थाई समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। निर्माण एजेंसियों को सभी स्वीकृत कार्य पूरी प्रामाणिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे करने होंगे,

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव का शुभारंभ कर प्रदेश के सभी युवाओं को दिया संदेश

युवाओं के सपनों को पूरा करने हर संभव मदद करेगी सरकार -मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल- (आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने के लिये हर संभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 2 करोड़ युवा विकसित भारत ञ2047 के निर्माण में सहभागी बनते हुए प्रदेश की समृद्धि के भी सूत्रधार बनेंगे। राष्ट्र के नवनिर्माण में युवा शक्ति की प्रतिभा को निखारने के लिये हम प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। प्रदेश सरकार युवाओं को हुनरमंद बनाने के लिये संत रविदास ग्लोबल स्किल पार्क जैसे कौशल उन्नयन संस्थानों के द्वारा स्पेशल ट्रेनिंग दे रही है। दुनिया की सबसे बड़ी यंग जनरेशन भारत में है। हमारा देश युवाओं का देश है। युवाओं के बलबूते ही भारत हर क्षेत्र में विकास के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। अपनी क्षमता, दक्षता, योग्यता, जोखिम लेने का साहस, बुद्धिमता और उद्यमशीलता से यही युवा नये विकसित भारत का निर्माण करेंगे। भारत के हृदय प्रदेश, मध्यप्रदेश में 2 करोड़ से अधिक युवा हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेन्टर में आयोजित %माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव% के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने %मध्यप्रदेश यूथ कॉन्क्लेव-2026% में डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के साथ संवाद किया। उन्होंने युवाओं के उत्थान और जन जागरूकता के लिए डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के योगदान को सराहा। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के डिजिटल इंफ्लूएंसर्स को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से %डिजिटल कंटेंट अवार्ड% प्रदान किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सकारात्मक सोच, नवाचार और सामाजिक सरोकारों के साथ काम करने वाले युवा आज समाज में परिवर्तन के सशक्त वाहक बन रहे हैं और उनके योगदान को सम्मानित किया जाना आवश्यक है। कार्यक्रम में इंदौर, उज्जैन, धार सहित मालवा-निमाड़ क्षेत्र के विभिन्न स्थानों के 200 से अधिक डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स और इंफ्लूएंसर्स शामिल हुये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से संवाद करते हुए समाज निर्माण, सकारात्मक परिवर्तन और जनजागरूकता में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म समाज को दिशा देने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। आज का यूथ केवल कंटेंट नहीं बना रहा, बल्कि विचारों को दिशा दे रहा है, समाज को जोड़ रहा है और नई पीढ़ी की आकांक्षाओं को स्वर दे रहा है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक और जिम्मेदार डिजिटल कंटेंट के माध्यम से युवा समाज में रचनात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगला साल (2027) प्रदेश की युवा शक्ति को समर्पित रहेगा। युवाओं के समग्र कल्याण सहित इन्हें रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार सभी जरूरी कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा कल्याण की शुरूआत इसी साल से इस %यूथ कॉन्क्लेव% के जरिए हो चुकी है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश के बेहतर भविष्य के लिए युवाओं की सहभागिता बेहद आवश्यक है। हम प्रदेश के विकास यज्ञ में युवाओं की शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा साथी अपने जीवन में आगे बढ़ने और कुछ नया कर गुजरने के सपने देखें, युवाओं के सपनों को पूरा करने में हमारी सरकार सभी प्रकार की मदद करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कॉन्क्लेव में आए युवाओं ने %मध्यप्रदेश युवा संकल्प-2026% का मसौदा सौंपा। मुख्यमंत्री ने दस्तावेज तैयार करने के लिए अपने सुझाव देने वाले सभी युवा चिंतकों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का एक फैसला लोगों की जिंदगी हमेशा के लिए बदल देता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को बैंकिंग प्रणाली और यूपीआई से जोड़ने के लिए करोड़ों लोगों के जीरो बैलेंस में बैंक खाते खुलवाए। यह वित्तीय समावेशन की दिशा में उठाया गया विश्व का सबसे बड़ा और क्रांतिकारी कदम था। उन्होंने कहा कि जो काम पहले असंभव मान लिया गया था, हमारी सरकार ने पुरजोर प्रयास कर उसे धरातल पर उतारा है। आज इंदौर शहर को भी नर्मदा का पवित्र जल मिल रहा है। प्रदेश में केन-बेतवा नदी लिंक और पीकेसी नदी लिंक परियोजनाओं पर काम जारी है। हमारी सरकार युवा शक्ति को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित है। युवा शक्ति अवसरों का भरपूर लाभ उठाए।

होम-स्टे से युवाओं को ग्रामीण अंचलों में मिल रहा है रोजगार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा शक्ति अपनी प्रतिभा से देश और समाज में अलग पहचान बनाए। राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में होम-स्टे तैयार करने के लिए युवाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। युवाओं को मेडिकल की पढ़ाई के लिए शिक्षा ऋण आसानी से उपलब्ध कराया जा रहा है। रोजगारपरक उद्योग स्थापित करने पर ऐसे उद्यमियों को हमारी सरकार प्रत्येक श्रमिक के वेतन में 5 हजार रुपए तक की प्रोत्साहन सहायता दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने राहवीर योजना की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि मानवीय संवेदनाओं को प्रोत्साहित करते हुए किसी सड़क हादसे के घायलों की मदद करने वाले वीरों को सरकार द्वारा इनाम के रूप में 25 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। प्रदेश के गरीब-जरूरतमंदों को कठिन समय में पीएम हेली सेवा और पीएमश्री एयर एंबुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, मदनलाल ढींगरा जैसे वीरों ने भारत माता की सेवा करते हुए स्वयं को बलिदान कर दिया।

मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग ने राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा

भोपाल -(आरएनएस) राज्य वित्त आयोग ने शुक्रवार को मंत्रालय में राजस्व विभाग, की समीक्षा बैठक ली। प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों को वित्तीय रूप से स्वावलंबी बनाने एवं स्वयं के आय के स्त्रोत सृजित करने में राजस्व विभाग की भूमिका के संबंध में राजस्व विभाग के साथ समीक्षा की। आयोग के अध्यक्ष श्री जयभान सिंह पवैया की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति, राजस्व स्त्रोतों और बजटीय प्रबंधन को लेकर मैराथन मंथन हुआ।

आयोग के अध्यक्ष श्री पवैया ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि ग्राम पंचायतों और शहरी निकायों की दीर्घकालिक वित्तीय सुदृढ़ता के लिए एक ठोस रोडमैप तैयार किये जाने में उनकी भूमिका को बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया जाय। अध्यक्ष श्री पवैया ने स्थानीय निकायों को गौशालाओं, सौर ऊर्जा को विकसित करने, वाणिज्यिक एवं आवासीय भवनों के लिये भूमि उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया।

बैठक में विभागीय अधिकारी ने शासन की नीति तथा इन विषयों पर भविष्य की संभावनाओं की जानकारी आयोग को दी। आयोग द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि स्थानीय निकायों की केवल अनुदानों पर निर्भरता को कम कर उन्हें वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाना होगा। इसके लिए कर संग्रहण क्षमता को सुदृढ़ करने, वित्त आयोग के अनटाइड अनुदानों के प्रभावी एवं परिणामोन्मुख उपयोग और बेहतर वित्तीय प्रबंधन के लिए संबंधित विभाग से व्यावहारिक सुझाव प्राप्त किए गए हैं, जिनके आधार पर आयोग अपनी अंतिम रिपोर्ट तैयार करेगा। बैठक में राज्य वित्त आयोग के सदस्य श्री के.के. सिंह एवं सदस्य सचिव श्री वीरेन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे।

हरियाली महोत्सव के अंतर्गत हुआ पौध-रोपण -नवीन संयुक्त कार्यालय परिसर का किया अवलोकन

भावी पीढ़ी के लिए हरित मध्यप्रदेश का निर्माण हमारी प्राथमिकता- राज्यमंत्री पंवार

भोपाल -(आरएनएस) मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पंवार ने कहा है कि भावी पीढ़ी के लिए हरित मध्यप्रदेश का निर्माण हमारी प्राथमिकता है। साथ ही प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण हम सभी का नैतिक दायित्व है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित %एक पेड़ माँ के नाम% अभियान ने पर्यावरण संरक्षण को एक व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार हरियाली महोत्सव, व्यापक वृक्षारोपण और जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित एवं हरित मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। विकास और पर्यावरण के बीच बेहतर संतुलन स्थापित करना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधे को वृक्ष बनने तक संरक्षित करने का संकल्प लेना चाहिए,वृक्ष न केवल हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि वे जैव विविधता, मृदा संरक्षण और प्रकृति के संतुलन के मुख्य आधार हैं। राज्यमंत्री श्री पंवार हरियाली महोत्सव अभियान में नरसिंहगढ़ के नवीन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदार कार्यालय के संयुक्त परिसर में पौध- रोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्यमंत्री श्री पंवार और विधायक श्री मोहन शर्मा ने नवनिर्मित संयुक्त शासकीय परिसर भवन का अवलोकन कर भवन में उपलब्ध नागरिक सुविधाओं, विभागीय व्यवस्थाओं और प्रशासनिक विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि परिसर नरसिंहगढ़ की जनता के लिए एक बड़ी सौगात है। पहले अनेक शासकीय कार्यालय अलग-अलग एवं छोटे भवनों में संचालित होते थे, जिससे नागरिकों को भटकना पड़ता था। अब एक ही छत के नीचे अधिकांश कार्यालय होने से जनता के समय और श्रम दोनों की बचत होगी

जगन्नाथ पुरी की तर्ज में निकलेगी भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा

जगत के नाथ जगन्नाथ स्वामी रथ यात्रा का 259 वाँ वर्ष

श्री जगदीश मंदिर गणेश मंदिर लोक न्यास गढ़ाफाटक जबलपुर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।-श्री जगदीश मंदिर गणेश मंदिर लोक न्यास द्वारा विगत 258 वर्ष से भगवान जगन्नाथ स्वामी बलभद्र भैयाएसुभद्रा मैया पुष्पों से सजे हुए रथ में विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन देने वर्ष में एक बार निकलते हैं। यात्रा जगदीश मंदिर प्रांगण से नगर भ्रमण के लिए निकाली जाती हैएइस पावन अवसर पर संस्कारधानी जबलपुर में दूर.दूर से भक्तजन परिवार सहित सम्मिलित होते हैंएआषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की द्वतीया तिथि 16 जुलाई गुरुवार को भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा कार्यक्रम में प्रातः 10ः00 बजे से ग्राम बम्होरी से आए हुए श्री कृष्ण भजन संकीर्तन मंडली के प्रमुख रजनीश गौतम जी द्वारा भगवान जगन्नाथ स्वामी के मधुर भजन की प्रस्तुति दी जावेगीएदोपहर 12ः30 बजे संस्कारधानी के गणमान्य जनों प्रशासन एवं साधु संतों द्वारा भगवान जगन्नाथ स्वामी की पूजन अर्चन पश्चात श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जाबालिपुरम द्वारा भगवान जगन्नाथ स्वामी के भव्य रथ की अगुवाई की जावेगीएरथ यात्रा का मार्ग जगदीश मंदिर से प्रारंभ होकर दुर्गा चौक गुप्ता कॉलोनी गढ़ाफाटक शंकर की भंडार पड़ाव सब्जी मंडी बड़ा फुहारा मिलौनीगंज मन्नू लाल की गली से होते हुए पड़ाव हनुमान अखाड़े में भगवान जगन्नाथ स्वामी का विश्राम होगाए17 जुलाई से दस दिवसीय विश्राम अवधि में भगवानश्री के समक्ष प्रतिदिन प्रातः 8ः00 बजे अखाड़े में संकीर्तन मंडल द्वारा हरिनाम संकीर्तन किया जावेगा एवं 26 जुलाई को सायं 4 बजे अखाड़े से जगदीश मंदिर में भगवान जगन्नाथ स्वामी का रथ की वापसी होगी। इस शुभ अवसर पर श्री जगदीशएगणेश मंदिर लोकन्यास पब्लिक ट्रस्ट प्रबंध न्यासी लाल ज्ञानेंद्र सिंह बघेलएन्यासी राजकुमार साहूए प्रबंधक मोहित तिवारीएमंदिर पुजारी पं देवेंद्र त्रिपाठीएसंकीर्तनाचार्य पं मनमोहन दुबेएसंयोजक देवेंद्र नेमाएअतुल कुमार पटेलएमोहित कुमार पटेलएसत्यप्रकाश नामदेव ने सभी भक्तजनोंध्मातृशक्ति से उपस्थिति की अपील की है।

सभी जोन, रेंज एवं जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिए विस्तृत दिशा-निर्देश

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दें - डीजीपी कैलाश मकवाणा

भोपाल (आरएनएस)-मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक संचालित किए जाने वाले राज्यव्यापी नशामुक्ति जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जोनल अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक, रेंज उप पुलिस महानिरीक्षक, भोपाल एवं इंदौर के पुलिस आयुक्त, समस्त जिला पुलिस अधीक्षक, रेल पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक पीटीएसतथा समस्त सेनानी विसबल की बैठक ली।बैठक में अभियान की विस्तृत कार्ययोजना एवं दिन-प्रतिदिन आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस का नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी 2026-29 की भावना एवं उद्देश्यों के अनुरूप संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई (, सिंथेटिक ड्रग्स एवं प्रीकर्सर के नियंत्रण, नशे की मांग में कमी , व्यापक जन-जागरूकता, सामाजिक सहभागिता तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को इस अभियान का प्रमुख आधार बनाया गया है। अभियान के माध्यम से कानून प्रवर्तन के साथ-साथ समाज में नशे के प्रति जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन पर भी विशेष बल दिया जाएगा। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने कहा कि अभियान को केवल औपचारिक कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी से जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए।उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में आयोजित नशे से दूरी है जरूरी अभियान को प्रदेशभर में अभूतपूर्व जनसमर्थन मिला था और लाखों नागरिकों की सहभागिता से यह एक सफल जनअभियान बना था। उन्होंने अधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि फ़रिकॉर्ड टूटने के लिए ही बनते हैं। इस वर्ष हमें पिछले अभियान से भी अधिक प्रभावी, व्यापक और परिणामोन्मुखी अभियान चलाना है। प्रत्येक जिला अपने नवाचारों, जनसहभागिता और सकारात्मक प्रयासों से नए कीर्तिमान स्थापित करे उन्होंने कहा कि इस अभियान की सफलता का वास्तविक पैमाना समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिकाधिक लोगों को इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करना होगा। श्री मकवाणा ने कहा कि अभियान के दौरान पुलिस, सामाजिक न्याय विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आबकारी विभाग, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, नगरीय निकायों तथा अन्य संबंधित विभागों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित कर प्रत्येक जिले में साझा कार्ययोजना के अनुसार गतिविधियां आयोजित की जाएं। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी चुनौती भी है, इसलिए इसकी रोकथाम में पूरे समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

बेटियों ने निभाया बेटे का फर्ज, पिता को दी मुखाग्नि

नरसिंहपुर। सिंहपुर महाजन परिवार के जितेंद्र महाजन के निधन के बाद उनकी दोनों बेटियों ने रूढ़िवादिता को पीछे छोड़ते हुए पिता का अंतिम संस्कार किया। हृदय घात से जितेंद्र महाजन का निधन हो गया था। उनके कोई बेटा नहीं था, जिसके बाद उनकी दोनों बेटियों—आयुषी और अन्वी—ने मिलकर पिता को मुखाग्नि दी और अंतिम संस्कार की सभी रस्में पूरी कीं।

परिवार और समाज का मिला पूरा समर्थन

इस प्रगतिशील कदम के लिए पूरे महाजन परिवार ने एकजुट होकर अपनी सहमति दी। बेटियों ने न केवल मुखाग्नि दी, बल्कि बरमान में खारी (अस्थि) विसर्जन के दिन भी पारंपरिक विधि-विधान के साथ सभी कार्यों को संपन्न किया। दिवंगत जितेंद्र महाजन, सिंहपुर निवासी स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद महाजन के भाई, स्वर्गीय महेंद्र महाजन के पुत्र और नरेंद्र महाजन के भतीजे थे। वे कौशलेन्द्र, शैलेन्द्र, उपेंद्र, मनीष, नीतेश, अंशुल और अभिजीत महाजन के चचेरे भाई थे।

समाज ने सराहा बदलाव

अंतिम संस्कार में शामिल हुए समाज के सभी वर्गों के लोगों ने दोनों बेटियों के इस साहसिक कदम की सराहना की। उपस्थित लोगों ने बेटियों का समर्थन करते हुए संदेश दिया कि समय के साथ समाज में आ रहे इस सकारात्मक बदलाव को सभी को स्वीकार करना चाहिए और इसका समर्थन करना चाहिए।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्टों से एमनेस्टी योजना, 2026 के अंतर्गत आमंत्रित किए आवेदन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर ने सभी नियोक्ताओं, हितधारकों एवं आम जनता का ध्यान केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित एमनेस्टी योजना, 2026 की ओर आकर्षित किया है। यह योजना आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत मान्यता प्राप्त कर्मचारी भविष्य निधि (पीएफ) ट्रस्ट संचालित करने वाले प्रतिष्ठानों को अपनी स्थिति नियमित (रेगुलराइज) करने के लिए छह माह का अवसर प्रदान करती है।

वित्त अधिनियम, 2026 के माध्यम से मान्यता प्राप्त भविष्य निधि से संबंधित आयकर व्यवस्था को कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध उपबंध अधिनियम, 1952 के वैधानिक एवं प्रशासनिक प्रावधानों के अनुरूप बनाया गया है। अब आयकर अधिनियम के अंतर्गत मान्यता केवल उन्हीं भविष्य निधियों को प्राप्त होगी जिन्हें कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध उपबंध अधिनियम, 1952 की धारा 17 के अंतर्गत छूट प्राप्त है। इस योजना के तहत पात्र प्रतिष्ठानों को उक्त अधिनियम की धारा 17 तथा सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 की धारा 143 के अंतर्गत पूर्व प्रभाव से छूट प्रदान की जाएगी।

योजना का दायरा

यह योजना उन प्रतिष्ठानों पर लागू होगी जो आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत मान्यता प्राप्त कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट का संचालन कर रहे हैं, किंतु उनके पास सक्षम सरकार (केंद्र सरकार अथवा संबंधित राज्य सरकार) द्वारा जारी औपचारिक छूट अधिसूचना उपलब्ध नहीं है।

योजना की अवधि

एमनेस्टी योजना अधिसूचना जारी होने की तिथि से छह माह तक प्रभावी रहेगी। यह योजना 29 जून, 2026 को अधिसूचित की गई है।

पात्र प्रतिष्ठान श्रेणी-1ः ऐसे प्रतिष्ठान जो अपने ट्रस्ट का पूर्व प्रभाव से नियमितीकरण कराना चाहते हैं तथा पहले से ही गैर-छूट प्राप्त (अन-एग्जेम्प्टेड) प्रतिष्ठान के रूप में अनुपालन कर रहे हैं अथवा भविष्य में गैर-छूट प्राप्त प्रतिष्ठान के रूप में अनुपालन करने का विकल्प चुनते हैं।

श्रेणी-2ः ऐसे प्रतिष्ठान जो अपने ट्रस्ट का पूर्व प्रभाव से नियमितीकरण कराते हुए सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अंतर्गत छूट प्राप्त (एग्जेम्प्टेड) प्रतिष्ठान के रूप में कार्य करना जारी रखना चाहते हैं।

योजना के प्रमुख लाभ

ट्रस्ट की स्थापना की तिथि से निर्धारित कट-ऑफ तिथि तक पूर्व प्रभाव से छूट का दर्जा एवं ट्रस्ट की मान्यता प्रदान की जाएगी।

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अंतर्गत न्यूनतम कर्मचारी संख्या, न्यूनतम कोष (कॉर्पस) तथा पूर्ववर्ती तीन वर्षों के अनुपालन संबंधी शर्तों से छूट प्रदान की जाएगी। तीन वर्षों के अनुपालन की शर्त को पूर्ण माना जाएगा। यदि सदस्यों के खातों में वैधानिक दर के बराबर अथवा उससे अधिक अंशदान एवं ब्याज जमा किया गया है, तो बकाया, हर्जाना एवं ब्याज से संबंधित लंबित कार्यवाहियां वापस ले ली जाएंगी और स्वतः समाप्त मानी जाएंगी। पूर्व में पारित अंतिम आदेश भी प्रारंभ से ही शून्य माने जाएंगे।

नियोक्ताओं के लिए अनिवार्य दायित्व पात्र प्रतिष्ठानों को केंद्र सरकार के नाम विधिवत आवेदन प्रस्तुत करना होगा,

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

फर्क को पाट पाएंगे

ईरान और यूएई के प्रतिनिधियों में हुई झड़प मिसाल है कि बदली विश्व परिस्थितियों के बीच ब्रिक्स+ के सदस्य ना सिर्फ अलग धरातल पर खड़े हैं, बल्कि वे परस्पर विरोधी रुख भी खुलेआम अपना रहे हैं। ब्रिक्स+ देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की नई दिल्ली में हुई बैठक एक बार फिर इस समूह के अंदर गहरा रहे मतभेदों को उजागर कर गई। बैठक के दौरान ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिनिधियों की बीच हुई झड़प मिसाल है कि बदली विश्व परिस्थितियों के बीच ब्रिक्स+ के सदस्य देश ना सिर्फ अलग धरातल पर खड़े हैं, बल्कि अब वे परस्पर विरोधी रुख भी खुलेआम अपना रहे हैं। ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार घादिर निजामीपुर ने अपने देश पर अमेरिका और इजराइल के हुए हमले में सक्रिय भूमिका निभाने का आरोप यूएई पर लगाया। जबकि यूएई ने ईरान पर उसे अनुचित निशाना बनाने का इल्जाम मढ़ा। इससे ब्रिक्स+ में सर्व- सहमत दृष्टिकोण उभरने की संभावना और कम हो जाने के संकेत मिले हैं। मेजबान भारत की सहानुभूति यूएई के साथ अधिक है, जिसके इजराइल और अमेरिका से बेहतर रिश्ते हैं। दूसरी तरफ चीन और ईरान के प्रतिनिधियों की द्विपक्षीय बैठक से साफ हुआ कि वे दोनों देश बदल रहे वैश्विक समीकरणों के बीच समान धरातल पर खड़े हैं। ऐसे में ब्रिक्स+ की बैठक का असल महत्त्व इस मौके पर हुई द्विपक्षीय वार्ताएं ही रहीं। इनमें एक खास मौका राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल और चीन के विदेश मंत्री (जो वहां के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी हैं) वांग यी की मुलाकात रहा। डोवाल और वांग सीमा विवाद पर अपने- अपने देशों के विशेष प्रतिनिधि भी हैं। दोनों ने भारत- चीन संबंध के ताजा हाल की समीक्षा की। इसी तरह की द्विपक्षीय वार्ताएं अन्य देशों के प्रतिनिधियों के बीच भी हुईं। इस रूप में नई दिल्ली में उनका जुटना सार्थक रहा।

सतलुज विवाद पर रवनीत सिंह बिट्टू ने जो सवाल उठाये हैं क्या दिलजीत दोसांझ उनका जवाब देंगे ?

पंजाब की राजनीति में एक बार फिर इतिहास, सिनेमा और सियासत आमने सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। अभिनेता और गायक दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज को लेकर शुरू हुआ विवाद अब पूरी तरह राजनीतिक बहस में बदल गया है। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने दिलजीत दोसांझ और फिल्म के निर्देशक हनी त्रेहन पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि फिल्म के जरिए पंजाब के उग्रवाद के दौर की केवल एकतरफा तस्वीर पेश की जा रही है और समाज में पुराने जख्मों को फिर से कुरेदने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दो टूक कहा कि केंद्र सरकार का फिल्म को ओटीटी मंच से हटाने में कोई हाथ नहीं है। साथ ही उन्होंने पूरे विवाद को सुनियोजित प्रचार करार दिया।

हम आपको बता दें कि विवाद की शुरुआत तब हुई जब सतलुज ओटीटी पर रिलीज होने के महज दो दिन बाद ही वहां से हटा ली गई। इस कदम के बाद पंजाब के फिल्म जगत, सोशल मीडिया और पंजाब सरकार के कुछ हलकों में यह सवाल उठने लगे कि क्या राजनीतिक दबाव के चलते फिल्म हटाई गई। हालांकि रवनीत सिंह बिट्टू ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि सरकार का ऐसे मंचों पर कोई नियंत्रण नहीं है। उनका दावा है कि फिल्म के निर्माताओं ने स्वयं ही इसे हटाया क्योंकि उन्हें जितना आर्थिक लाभ चाहिए था, वह मिल चुका था। उन्होंने कहा कि जब स्वयं दिलजीत दोसांझ पहले ही यह कह चुके थे कि फिल्म केवल दो तीन दिन के लिए उपलब्ध रहेगी, तभी समझ जाना चाहिए था कि पूरे घटनाक्रम में कुछ न कुछ गड़बड़ है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार को फिल्म हटानी ही होती तो उसे प्रसारित होने की अनुमति ही क्यों दी जाती। बिट्टू ने आरोप लगाया कि पहले फिल्म को प्रसारित कर माहौल बनाया गया और फिर उसे हटाकर सरकार पर प्रतिबंध लगाने का आरोप मढ़ दिया गया।

केंद्रीय मंत्री ने दिलजीत दोसांझ पर केवल इस विवाद तक हमला सीमित नहीं रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि दिलजीत केवल धन कमाने के लिए काम करते हैं और विदेश में बैठकर पंजाब के लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने उन्हें बहुरूपिया बताते हुए कहा कि वह लॉस एंजिलिस में रहकर पंजाब की भावनाओं से खेल रहे हैं। बिट्टू ने सवाल उठाया कि यदि दिलजीत को समाज और मानवाधिकारों की इतनी चिंता है तो उन्होंने मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा पर फिल्म क्यों नहीं बनाई ? उन्होंने फिल्म चमकीला का भी जिक्र करते हुए कहा कि यदि दिलजीत अपने परिवार की महिलाओं का सम्मान करते तो ऐसी फिल्म में काम नहीं करते। उन्होंने यह दावा भी किया कि विदेशों में अपने कार्यक्रमों के दौरान दिलजीत खालिस्तान के झंडे लेकर आने वालों को हटाने की बात करते हैं और फिर सवाल उठाया कि आखिर उनके पीछे कौन-सी ताकतें काम कर रही हैं ?

रवनीत सिंह बिट्टू ने स्पष्ट किया कि उन्हें पंजाब में उग्रवाद के दौर पर फिल्म बनने से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उनका विरोध केवल एकतरफा कहानी दिखाने को लेकर है। उन्होंने कहा कि यदि उस दौर की कहानी दिखाई जा रही है तो उन पुलिस अधिकारियों, सुरक्षाकर्मियों और निर्दोष नागरिकों के बलिदान को भी सामने लाया जाना चाहिए जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने प्राण गंवाए। उन्होंने दिलजीत दोसांझ और हनी त्रेहन को चुनौती देते हुए पूछा कि क्या वह उन पुलिस अधिकारियों और आम नागरिकों पर भी फिल्म बनाएंगे जिनकी 1984 के बाद के दौर में आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी। उन्होंने लालडू के पास एक सौ पच्चीस यात्रियों के नरसंहार और युवा भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी अविंदर सिंह की हत्या जैसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन परिवारों के दर्द को भी देश के सामने लाया जाना चाहिए।

फिल्म में किए गए उस दावे पर भी केंद्रीय मंत्री ने सवाल उठाया जिसमें पच्चीस हजार अज्ञात शवों के गुप्त तरीके से निपटान की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि यदि यह दावा तथ्यात्मक है तो निर्माता उसके प्रमाण सार्वजनिक करें। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि पच्चीस हजार तो दूर, यदि पांच हजार मामलों का भी पूरा ब्यौरा मीडिया, संबंधित आयोग या न्यायालय के सामने रख दिया जाए तो वह अपनी बात वापस लेने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि तथ्यों के बिना ऐसे गंभीर आरोप समाज में भ्रम और तनाव पैदा करते हैं। अपने परिवार के इतिहास का जिक्र करते हुए रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि उनके दादा और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह ने आतंकवाद के कठिन दौर में राज्य में शांति बहाल करने के लिए संघर्ष किया था और इसी दौरान उनकी हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि उस समय पंजाब में भय का ऐसा माहौल था कि सामान्य सामाजिक जीवन भी प्रभावित हो गया था। विवाह समारोहों से लेकर महिलाओं के पहनावे तक पर आतंक का साया था। उन्होंने उस दौर की तुलना कट्टर शासन से करते हुए कहा कि आज की शांति बहुत कठिन संघर्ष के बाद मिली है और इसे केवल फिल्म की कमाई या राजनीतिक लाभ के लिए दांव पर नहीं लगाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म में घटनाक्रम की समयरेखा को लेकर गंभीर सवाल हैं। उन्होंने कहा कि जसवंत सिंह खालरा के लापता होने की घटना उनके दादा की हत्या के बाद हुई थी

सहूलियत, सम्मान और सेहत... हर घर नल से बदली जिंदगी

रोज सुबह उठते ही घर में नल से साफ पानी आते देखने की खुशी क्या होती है, इसे कमली से पूछिए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव को अपने आंगन में लगे नल से आ रहे पानी की धार को दिखाते खुशी से उनकी आंखें डबडबा गईं। जल जीवन मिशन ने कमली जैसी हजारों महिलाओं को अमूल्य खुशियां दी हैं। कभी पीने और निस्तारी के पानी के लिए दिनभर चिंतित रहने वाली इन महिलाओं का जीवन घर में लगे नल ने बदल दिया है।

उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव अपने चार दिनों के बस्तर प्रवास के दौरान जल जीवन मिशन का काम देखने कमली के भी गांव पहुंचे। कमली के गांव बस्तर जिले के तोकापाल विकासखण्ड के दुगनपाल में उन्होंने कुछ और घरों में भी जाकर नल से पानी आते देखा। जल जीवन मिशन से घर में पानी पहुंचने की खुशी सभी महिलाओं के चेहरे पर दिख रही थी। जल जीवन मिशन दूरस्थ गांवों और वनांचलों की महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहा है। आधी आबादी के एक बड़े हिस्से को पीने के पानी के लिए रोज जूझना पड़ता था। खासतौर से गर्मियों के दिनों में जब हर साल सिर पर पानी के बर्तन का सफर कुछ सौ मीटरों से कुछ किलोमीटरों में बदल जाता था। जीवन के लिए अनिवार्य जरुरत पानी की व्यवस्था गर्मियों में महिलाओं का जीवन दुष्कर बना देती थी। दुगनपाल में भी महिलाओं को रोज गांव के हैंडपंप या कुआं पर जाकर घर के सभी लोगों के लिए पानी का इंतजाम करना पड़ता था। घर में नल लग जाने से अब इस समस्या से निजात मिल गई है। जल जीवन मिशन के काम जैसे-जैसे पूरे होते जा रहे हैं, महिलाओं की बाहर से पानी लाने की चिंता और तकलीफ दूर होते जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में अब तक साढ़े आठ हजार से अधिक योजनाओं को पूर्ण कर संचालन के लिए पंचायतों को सौंपा जा चुका है। जल जीवन मिशन महज हर घर तक पेयजल पहुंचाने की योजना नहीं है। यह महिलाओं की दिनचर्या और जीवन में भी बड़ा बदलाव ला रहा है। गांवों में परंपरागत रूप से घर में पेयजल और अन्य जरूरतों के लिए पानी के इंतजाम का जिम्मा महिलाओं पर ही है।

आईटीआई में बढ़ता बेटियों का वर्चस्व - बदलते भारत की नई तस्वीर

देश में कभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) को केवल पुरुषों का क्षेत्र माना जाता था। इलेक्ट्रिशियन, फिटर, वेल्डर, मोटर मैकेनिक या रेफ्रिजरेशन जैसे तकनीकी ट्रेडों में महिलाओं की कल्पना भी नहीं की जाती थी। लेकिन बदलते भारत की तस्वीर अब बिल्कुल अलग है। आज बेटियाँ इन परंपरागत धारणाओं को तोड़ते हुए न केवल आईटीआई में प्रवेश ले रही हैं, बल्कि उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह साबित कर रही हैं कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। यह बदलाव केवल शिक्षा का परिणाम नहीं, बल्कि समाज की बदलती सोच का भी प्रमाण है। कभी ग्रामीण परिवारों में बेटियों की शिक्षा को सीमित कर दिया जाता था, परंतु आज वही माता पिता अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण दिलाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। परिणामस्वरूप गाँवों और छोटे शहरों की बेटियाँ डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस, सेना, बैंकिंग और तकनीकी क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। भारत सरकार ने युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 1950 में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना की थी। आज देशभर में संचालित आईटीआई संस्थान 8वीं, 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए 80 से अधिक इंजीनियरिंग एवं गैर-इंजीनियरिंग ट्रेडों में प्रशिक्षण दे रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों का सबसे बड़ा उद्देश्य युवाओं को कौशलयुक्त बनाकर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। सबसे सुखद और प्रेरणादायक तथ्य यह है कि जिन ट्रेडों को कभी पुरुषों का वर्चस्व माना जाता था, उनमें अब बेटियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेल्डर, वायरमैन, डीज़ल मैकेनिक, मोटर व्हीकल मैकेनिक, रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग जैसे तकनीकी क्षेत्रों में युवतियों का बढ़ता रुझान केवल रोजगार की आवश्यकता नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और समान अवसरों की दिशा में बढ़ते कदमों का प्रतीक है। यह परिवर्तन केवल महिलाओं की उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे समाज की मानसिकता में आए सकारात्मक बदलाव का संकेत है। जब बेटियाँ तकनीकी क्षेत्रों में सफल होंगी तो वे आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी, परिवार मजबूत होंगे और देश के औद्योगिक विकास को भी नई गति मिलेगी। यही सच्चे अर्थों में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, उद्योग जगत और समाज मिलकर बेटियों को तकनीकी शिक्षा के लिए और अधिक प्रोत्साहित करें। आईटीआई संस्थानों में आधुनिक संसाधन, सुरक्षित वातावरण, रोजगारपरक प्रशिक्षण तथा उद्योगों से बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि प्रशिक्षित युवतियों को सम्मानजनक रोजगार के अधिक अवसर मिल सकें। बेटियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि अवसर मिलने पर वे किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। आईटीआई में उनका बढ़ता वर्चस्व केवल आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि नए भारत की उस सोच का प्रतीक है, जहाँ बेटियाँ सीमाएँ नहीं, बल्कि नई संभावनाएं गढ़ रही हैं। यही बदलती तस्वीर भारत के उज्जवल और समावेशी भविष्य का सबसे बड़ा संकेत है।

अरविंद रावल
गोपाल कॉलोनी, झाबुआ म.प्र.

देवास में गुरु-शिष्य का मिलन - छलक उठे आंसू, शिष्य ने कहा- गुरु से मिलने नहीं, गुरु में मिलने आया हूं

पुष्पगिरि तीर्थ के प्रणेता गणाचार्य पुष्पदंत सागर महाराज के शिष्य अन्तर्मना गुरुदेव आचार्य प्रसन्न सागर महाराज संघस्थ मुनि पीयूष सागर ससंघ महामंगल प्रवेश पुष्पगिरि तीर्थ पर हुआ। इससे पूर्व अंतर्मना गुरुदेव ससंघ का मंगल विहार आकाश जैन गुरुभक्त परिवार भागीरथ एवेन्यू कालोनी सोनकच्छ से बैंडबाजों के साथ पुष्पगिरि तीर्थ की ओर हुआ।

मार्ग में कई सामाजिक, धार्मिक व राजनीतिक संस्थाओं ने गुरुदेव का स्वागत कर आशीर्वाद लिया। गुरुवार दोपहर 3.45 बजे आचार्य पुष्पदंत सागर का मिलन शिष्य अंतर्मना प्रसन्न सागर महाराज से हुआ। शिष्य ने संघ के साथ तीन परिक्रमा लगाकर अपने गुरु के चरण वंदन कर उनका आशीष लिया। दोनों संतों ने एक-दूसरे को गले लगाया। गले लगाते हुए शिष्य प्रसन्न सागर की आंखें नम हो गई। ये दृश्य देख उपस्थित जनसमुदाय भाव विभोर हो गया और गुरु-शिष्य के जयकारों से पुष्पगिरि तीर्थ गुंजायमान हो गया। गुरु-शिष्य एक दूसरे का हाथ थाम कर मंच पर पहुंचे जहां अंतर्मना सहित संघ ने गुरुदेव के चरण प्रक्षालन कर गुरु रज मस्तक पर लगाई। आयोजन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अंतर्मना गुरुदेव ने कहा भरोसा करना तो गुरु पर ही करना वरना जी नहीं पाओगे, परमात्मा जब भी मिलेगा गुरु से ही मिलेगा। जिंदगी में देव शास्त्र और गुरु के अलावा सब अशरण है।

आधुनिक तकनीक से वन संरक्षण को नई दिशा

ऑटोमेटेड फॉरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम एक उन्नत तकनीक है जो जंगलों में आग लगने की घटनाओं का तुरंत पता लगाकर संबंधित अधिकारियों को सूचित करती है। भारत में, भारतीय वन सर्वेक्षण और विभिन्न राज्य वन विभाग फोरेस्ट फायर अलर्ट एंड मानिटरिंग सिस्टम सैटेलाइट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं। जंगल की आग को ध्यान में रखते हुए श्फोरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम संस्करण 2.0श् लाया गया है और पूरी प्रक्रिया को स्वचालित बना दिया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार वन संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग कर रही है। इसी दिशा में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा विकसित ऑटोमेटेड फॉरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम जंगलों में लगने वाली आग की घटनाओं पर त्वरित नियंत्रण सुनिश्चित कर रहा है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में विकसित यह तकनीक वन विभाग की कार्यप्रणाली को अधिक तेज, प्रभावी और पारदर्शी बना रही है। इससे वन संपदा, वन्यजीवों और जैव विविधता की सुरक्षा को नई मजबूती मिली है।

अब कुछ ही मिनटों में मिलती है आग लगने की सूचना

पहले वनाग्नि की जानकारी प्राप्त करने और संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने में एक से दो घंटे का समय लग जाता था। इस दौरान आग कई बार बड़े क्षेत्र में फैल जाती थी। अब नई स्वचालित प्रणाली के माध्यम से यह पूरी प्रक्रिया केवल 5 से 10 मिनट में पूरी हो जाती है। इससे समय रहते आग पर नियंत्रण संभव हो रहा है।

उपग्रह तकनीक से होती है सटीक निगरानी

यह प्रणाली अत्याधुनिक उपग्रह तकनीक पर आधारित है। उपग्रह जंगलों में तापमान में होने वाले असामान्य बदलाव की पहचान करता है। वैज्ञानिक विश्लेषण के बाद आग की पुष्टि होने पर संबंधित वन मंडल, रेंज और बीट स्तर के अधिकारियों को तत्काल एसएमएस और ई-मेल के माध्यम से अलर्ट भेज दिया जाता है। वन विभाग ने इस प्रणाली को जीआईएस आधारित रियल टाइम डैशबोर्ड से जोड़ा है। इसके माध्यम से अधिकारी वनाग्नि की घटनाओं पर लगातार निगरानी रखते हैं। सूचना मिलते ही फील्ड स्टाफ मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कार्रवाई करता है और उसकी ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज करता है। इससे भविष्य की रणनीति बनाने और संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने में भी सहायता मिलती है।

जनजागरूकता और पूर्व तैयारी पर विशेष जोर

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग केवल तकनीक पर ही निर्भर नहीं है, बल्कि वनाग्नि की रोकथाम के लिए जनभागीदारी को भी बढ़ावा दे रहा है। हर वर्ष वनाग्नि सीजन से पहले फायर लाइन निर्माण, जनजागरूकता अभियान, प्रशिक्षण तथा मॉक ड्रिल आयोजित किए जाते हैं,

क्यों मंदिर के ऊपर से नहीं उड़ते पक्षी

हिंदू धर्म में भगवान जगन्नाथ की पूजा का अधिक महत्व माना जाता है। भगवान जगन्नाथ का पावन धाम जिसको धरती का बैकुंठ भी कहा जाता है, वह ओडिशा के पुरी में स्थित है। सात प्राचीन पुरियों में एक इस पावन धाम में भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के साथ विराजमान हैं। समुद्र के किनारे स्थित इस महाधाम की सिर्फ वास्तुकला नहीं बल्कि इससे जुड़े तमाम रोचक रहस्य भी हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जगन्नाथ मंदिर और इससे जुड़ी रथ यात्रा से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में बताने जा रहे हैं जगन्नाथ पुरी धाम में भगवान जगन्नाथ को श्रीकृष्ण का स्वरूप माना जाता है। यहां पर भगवान जगन्नाथ अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के साथ मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हैं। मंदिर में तीनों भगवान की मूर्तियां लकड़ी की बनी हैं, जिनको हर 12 साल में बदला जाता है। अधूरी मूर्तियों की होती है पूजा

हिंदू मान्यता के मुताबिक जब भगवान विश्वकर्मा से राजा इंद्रदयुम्न ने भगवान जगन्नाथ की मूर्तियों को बनाने का निवेदन किया। तो भगवान विश्वकर्मा ने यह शर्त रखी कि वह बंद कमरे में मूर्तियों को बनाएंगे और उस कमरे में कोई भी प्रवेश नहीं करेगा। माना जाता है कि जब जिज्ञासावश राजा इंद्रदयुम्न ने कमरे के पट खोल दिए, तो भगवान विश्वकर्मा अधूरी मूर्ति छोड़कर चले गए।

मूल्य श्रृंखला का जुड़ाव: पीएम मित्र पार्क के ज़रिए कैसे भारत के टेक्सटाइल क्षेत्र की बदल रही है तस्वीर

पबित्रा मार्गेरिटा

सदियों से, भारत की पहचान उसके परिधानों से गहराई से जुड़ी रही है। चाहे वह कश्मीर के पश्मीना की लंबे समय तक रहने वाली गर्माहट हो, असम के मूंगा सिल्क की सुनहरी चमक हो, तमिलनाडु की शाही कांजीवरम साड़ियाँ हों, चंदेरी की बुनाई हो या सूरत के कारीगरों की कपड़ों पर मशहूर कारीगरी। आज भी यह क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ा है, जो जीडीपी में 2.3त्न, औद्योगिक उत्पादन में 13त्न और निर्यात में 12त्न का योगदान देता है। खेती के बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोज़गार देने वाला यह क्षेत्र 45 मिलियन लोगों को सीधे तौर पर और 100 मिलियन से ज़्यादा लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार देता है। इससे ग्रामीण समुदायों को मजबूती मिलती है और देश भर में लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक आज़ादी का रास्ता खुलता है।

वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के एक साथ जुड़ी हुई व्यवस्था के उलट, भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला ऐतिहासिक रूप से अलग-अलग जगहों पर फैले हुए मॉडल के तौर पर विकसित हुई। कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग, कपड़े सिलने और निर्यात जैसी गतिविधियाँ अलग-अलग राज्यों में स्वतंत्र रूप से विकसित हुईं, जिसका अर्थ था कि एक कपड़ा बनने के दौरान अक्सर कई राज्यों की सीमाओं से गुज़रता था। इस बिखराव के कारण कई संरचनात्मक बाधाएँ पैदा हुईं। इसने बड़े पैमाने पर काम करने, आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन और आखिरकार मज़दूरों की उत्पादकता को सीमित कर दिया।

इसके साथ ही, मल्टी-मॉडल संपर्क में कमियों की वजह से लॉजिस्टिक्स का बोझ भी बढ़ जाता है। प्रोडक्शन के अलग-अलग चरणों के बीच हर बार सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने या संभालने में अतिरिक्त खर्च और ढुलाई का किराया लगता है। कई चरणों में लंबी दूरी तक सामान को एक जगह से दूसरी जगह भेजने से कुल लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ जाती है और सामान को तेज़ी से बाज़ार तक पहुँचाने की क्षमता खत्म हो जाती है, जो आज की रिटेल व्यवस्था में बार-बार ऑर्डर देने वाले साइकल में एक बहुत बड़ी और नुकसानदायक कमी है।

वर्तमान में पर्यावरण से जुड़ी ज़रूरतों पर भी ध्यान देने की ज़रुरत है। दुनिया भर में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वस्त्र उद्योग की हिस्सेदारी 8त्न से 10त्न और औद्योगिक जल प्रदूषण में 20त्न है। हज़ारों छोटी-छोटी और अलग-अलग जगहों पर फैली इकाइयों में नियमों को लागू करना और सही तरीके से प्रबंधन करना पहले एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती रहा है।

इन रुकावटों को व्यवस्थित रूप से दूर करने के लिए, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2021 में पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) योजना शुरू की, जिसके लिए ?4,445 करोड़ का बजट रखा गया। यह एक अहम कदम था, जो एक ऐसा व्यापक मॉडल पेश करता है, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, उद्योगों से जुड़े लोगों और निजी साझेदारों के साथ मिलकर विकास को आगे बढ़ाती है।

इस योजना के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी 5एफ फ़ॉर्मूला है यानी फ़ार्म (खेत) से फ़ाइबर (रेशा) से फ़ैक्टरी (कारखाना) से फ़ैशन और फारेन (विदेश) तक पहुंच। यह सोच सीधे तौर पर उस बात को सामने लाती है, जो भारत को वैश्विक मंच पर अलग बनाती है: हमारी संपूर्ण और बेहद विविध मूल्य श्रृंखला। कच्चे माल के आयात या सिर्फ तैयार कपड़ों की बनावट पर निर्भर रहने वाले दूसरे देशों के उलट, भारत वस्त्रों को बनाने की पूरी प्रक्रिया में शामिल है, जिसमें किसानों के खेतों से लेकर हाई-फ़ैशन रनवे तक की प्रक्रिया शामिल है। इस अनोखी समझ की वजह से, हमारी विकास रणनीति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा और पूरी तरह से सामाजिक समानता के बीच एक खास संतुलन बनाने की ज़रुरत है। विस्तार करते समय, हमें हर क्षेत्र के कल्याण का ध्यान रखना होगा, ताकि साधारण किसान और ग्रामीण बुनकर से लेकर कपड़े के निर्यातक तक, कोई भी पीछे न छूटे। पीएम मित्र फ़्रेमवर्क इसी संतुलन को हासिल करता है।

इन पार्कों को कच्चे माल के मुख्य केंद्रों के पास रणनीतिक रूप से बनाने से ट्रांसपोर्ट का खर्च कम होता है और निर्माण के लिए बिना रुकावट आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इससे ज़रूरी बात यह है कि इस नज़दीकी से शुरुआत से आखिर तक ट्रैकिंग भी मुमकिन हो पाती है। चूँकि वैश्विक ब्रांड ऑर्गेनिक या सस्टेनेबल प्रमाणीकरण की मांग करते हैं, इसलिए ये एकीकृत पार्क एक सत्यापन योग्य कस्टडी चेन देते हैं। इससे कड़े वैश्विक ईएसजी नियमों का पालन होता है और विदेशों में प्रीमियम कीमत पाने का रास्ता भी बनता है।

1,000 एकड़ से ज़्यादा के एक ही इलाके में कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग और कपड़ा बनाने की सुविधाओं को एक साथ लाने से अलग-अलग राज्यों के बीच सामान ले जाने की ज़रूरत खत्म हो जाती है। इससे माल ढुलाई का खर्च और ट्रांसपोर्ट से होने वाला प्रदूषण भी बहुत कम हो जाता है और सामान तेज़ी से बाज़ार तक पहुँच पाता है। समर्पित माल गलियारे और एक्सप्रेसवे जैसे राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर से जुड़े होने के कारण, विदेशी बाज़ारों तक सामान पहुँचाना बहुत सस्ता और किफायती हो जाता है। हर पार्क में प्लग-एंड-प्ले इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर होता है, जिसमें बिजली के खास सब-स्टेशन, लगातार पानी की सप्लाई और तुरंत इस्तेमाल के लिए तैयार फैक्ट्री शेड जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। इसके साथ ही, ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज (ज़ेडएलडी) तकनीक वाले उन्नत एडवांस्ड कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट और आधुनिक सुविधाएँ भी होती हैं, जिससे कारोबारियों पर ढांचागत बोझ कम पड़ता है और कारोबार करने में आसानी होती है।

पीएम मित्र पार्क तेज़ी से कागज़ी योजनाओं को असल ज़मीनी हकीकत में बदल रहे हैं। इस योजना में सात रणनीतिक पार्क शामिल हैं: पाँच ग्रीनफील्ड डेवलपमेंट विरुधुनगर (तमिलनाडु), नवसारी (गुजरात), कलबुर्गी (कर्नाटक), धार (मध्य प्रदेश) और लखनऊ (उत्तर प्रदेश) और दो ब्राउनफील्ड डेवलपमेंट वारंगल (तेलंगाना) और अमरावती (महाराष्ट्र) में। अब तक, इस योजना में कुल ?69,899 करोड़ के निवेश की दिलचस्पी दिखाई गई है, जिसमें से ?27,658 करोड़ का निवेश पहले ही हो चुका है।

10 मई, 2026 को माननीय प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के वारंगल में पहले कार्यरत पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन किया। इस पार्क में पहले ही ?3,862 करोड़ का निवेश हो चुका है और यहाँ विश्व-स्तरीय पर्यावरण अनुकूल बुनियादी ढांचे पर काम किया जा रहा है। ये विशेषताएँ स्थायित्व के उन मानकों को दर्शाती हैं, जिन्हें सभी सात पार्क साइटों पर स्थापित किया जा रहा है।

पूरे देश में एक साथ काम शुरू होने से सहकारी संघवाद की तेज़ी और सफलता दोनों साफ दिखती है, जहां सभी सात राज्यों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, 100त्न ज़मीन का अधिग्रहण हो चुका है और पर्यावरण से जुड़ी मंज़ूरी भी मिल गई है।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। किसी प्रतियोगी परीक्षा का रिजल्ट आपके पक्ष में आएगा। आज आर्ट और मीडिया से जुड़े लोगों को नौकरी के नये अवसर मिलने के योग हैं कारोबार आपको बढ़िया सफलता मिलेगी।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए लकी रहेगा। आप अपने बिजनेस में नई शुरूआत करेंगे। आभूषणों के कारोबार मे आज आपको दोगुनी सफलता मिलेगी। आज समाज में आपका प्रभाव बढ़ेगा

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। कारोबार में बदलाव को लेकर लिए गए फैसले आज सही साबित होंगे। आज मार्केटिंग से जुड़े कामों पर ज्यादा ध्यान दें। आज किसी बड़े अधिकारी या राजनेता से मुलाकात भविष्य में फायदेमंद साबित हो सकती है।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आज आप अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए नये फैसले लेंगे। आज ऑफिस में आपकी योग्यता और कार्यक्षमता की सराहना होगी। बच्चों की शिक्षा या करियर से जुड़ा काम आज बन सकता है।

सिंह राशि- सिंह राशि वालों का आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपको आपके करियर के क्षेत्र में अपार संभावनाएं मिलेंगी आपका सरकारी काम पूरा जाएगा। उच्च अधिकारियों के सहयोग से आज आपको नौकरी में लाभ होगा।

कन्या राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। व्यापार जगत से जुड़े कार्यों में आज आपको सफलता मिलेगी। परीक्षा में पूर्ण अध्ययन से छात्र कामयाबी पा सकेंगे। महिलाएं आज व्यर्थ की बातों में अपना समय नष्ट न करें।

तुला राशि- आज का दिन नए अनुभव लेकर रहेगा। आज परिवार में आज मांगलिक कार्यक्रम करवाएंगे घर का माहौल खुशहाल रहेगा। इंपोर्ट-एक्सपोर्ट के बिजनेस से जुड़े लोगों को किसी खास संपर्क से आज लाभ होगा।

वृश्चिक राशि- आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। अगर आज आप किसी बिजनेस में धन निवेश करेंगे तो आने वाले समय में लाभ अवश्य मिलेगा। आज आप व्यापार बढ़ाने के लिए आज कुछ नयी योजनाओं पर काम कर सकते है।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। अगर आप किसी खास काम के लिए प्रयासरत हैं, तो उसमें उचित सफलता मिल सकती है। आज आपका वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा आप एक दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करेंगे।

मकर राशि- आपके लिए आज का दिन मिला-जुला रहने। आज आपको परिवार का सहयोग मिलेगा। आज वैवाहिक जीवन में परेशानियां खत्म होंगी। कार्यस्थल पर अपने विरोधियों से सतर्क रहें आज आप अपने बड़ बोलेपन से बचें

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहेगा साथ ही छात्रों के लिए बेहतर परिणाम लेकर आएगा। आज आपको कार्यस्थल पर अपने सीनियर्स का सहयोग मिलेगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। सोची हुई योजनाएं सफल होती दिखेंगी। आप खुद को भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस करेंगे।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को नेशनल हेल्थ मिशन के तहत बेस्ट प्रैक्टिस (सबसे अच्छे तरीकों) पर एक मासिक वेबिनार सीरीज़ शुरू की। इसका मकसद इनोवेशन को बढ़ावा देना, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच जानकारी साझा करने में मदद करना और पूरे देश में पब्लिक हेल्थ सिस्टम को मज़बूत करना है। विश्व जनसंख्या दिवस 2026 के मौके पर शुरू की गई यह पहल, सफल हेल्थकेयर इनोवेशन को रिकॉर्ड करने, साझा करने और उन्हें दूसरी जगहों पर लागू करने के लिए साल भर चलने

देशभर में मानसून का कहरः उत्तर प्रदेश में 19 की मौत, उत्तराखंड में 1,000 लोग फंसे; उफान पर नदियां, कई राज्यों में जनजीवन प्रभावित

नईदिल्ली (आरएनएस)। मानसून अब पूरे देश में छा गया है। इसी के साथ कई राज्यों में भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। गुरुवार को बारिश से जुड़ी घटनाओं में अकेले उत्तर प्रदेश में 19 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, उत्तराखंड में यमुनोत्री हाईवे बंद होने से करीब 1,000 लोग फंस गए हैं। गुजरात के सूरत जिले में पिछले कुछ दिनों में भारी बाढ़ के कारण 17 लोगों की मौत हुई है।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में मस्जिद की दीवार गिरने से एक ही परिवार के 2 लोगों की मौत हो गई। वहीं, हरदोई में 2 बहनें नदी में बह गईं। बारिश को देखते हुए आज एहतियात के तौर पर गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, बागपत, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, सहारनपुर और मुरादाबाद में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है। प्रयागराज में नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। प्रशासन ने किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं।

गुरुवार को दिल्ली के कई इलाकों में भारी बारिश के कारण सड़कें तालाब बन गईं, पेड़ उखड़ गए और यातायात ठप हो गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, कुछ इलाकों में 160 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हुई। बारिश के पानी में डूबने से 8 साल के बच्चे की मौत हो गई है। इससे पहले रोहिणी के सेक्टर 16 में इमारत गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई थी।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में भूस्खलन के चलते यमुनोत्री हाईवे और गंगोत्री हाईवे लैंडस्लाइड से बंद हैं। यहां 1,000 से ज्यादा लोग फंसे हुए हैं। वहीं, बारिश के चलते 10 जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है।

हरिद्वार में सड़कों पर 3-4 फीट पानी भर गया है। आईएमडी ने 3 जिलों में आज बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। ऋषिकेश में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से निचले घाट डूब गए हैं।

हिमाचल प्रदेश के राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, बारिश के कारण गुरुवार शाम तक 75 सड़कें बंद हो गई हैं, जबकि 29 बिजली ट्रांसफार्मर और 5 जल आपूर्ति योजनाएं प्रभावित हुई हैं। शिमला और सिरमौर जिलों में शुक्रवार को और अधिक भारी बारिश होने की आशंका है। सिरमौर में सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया है। शिमला में लगातार बारिश के बाद रिटेनिंग वॉल ढहने से कई वाहन मलबे की चपेट में आ गए।

राजस्थान के धौलपुर में मकान ढहने से 6 लोग मलबे में दब गए। केरलम के वायनाड में भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 7 हो गई है। नेपाल में लगातार बारिश के चलते बिहार में गंडक नदी उफान पर है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में स्कूल बंद किए गए हैं। सूरत में हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है।

आईएमडी का कहना है कि 2 दिन बाद मानसून की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। दरअसल, प्रशांत महासागर में चक्रवाती तूफान बावी बन रहा है।यह ताइवान और चीन की ओर बढ़ रहा है, जिसका असर बंगाल की खाड़ी में दिखाई दे रहा है। तूफान के चीन पहुंचने तक बंगाल की खाड़ी में बारिश का नया सिस्टम बनने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में 2 दिन बाद बारिश कम हो सकती है। करीब एक हफ्ते तक बारिश थमी रह सकती है।

धर्मांतरण मामले में एससी ने याचिककर्ता को दी बड़ी राहत, नोटिस जारी कर राज्य सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के हेमराज टेलर के खिलाफ चल रहे आपराधिक मामले में अस्थायी रोक लगा दी है. हेमराज टेलर ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी. जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस श्री चंद्रशेखर की बेंच ने हेमराज टेलर की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए राज्य सरकार से 6 हफ्तों में जवाब मांगा है. हेमराज टेलर पर आरोप है कि उन्होंने एक परिवार को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया था.

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ आगे की आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी, जो हिंदू बताया जा रहा है और जिस पर मध्य प्रदेश में एक परिवार को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर करने का आरोप है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न्यूज़ीलैंड के ऑकलैंड दौरे के दौरान भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत करते हुए।

केंद्रीय वाणि%य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में भारत में स्वीडन के राजदूत जान थेस्लेफ़ से बातचीत की।

ममता को एक और बड़ा झटका? यूसुफ पठान ने शुभेंदु अधिकारी से की सीक्रेट मुलाकात; अटकलें तेज

कोलकाता,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में भूचाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। तृणमूल कांग्रेस (ञ्जरूष्ट) से बगावत कर अलग गुट बनाने वाले लोकसभा सांसद और पूर्व धाकड़ क्रिकेटर यूसुफ पठान की एक अचानक हुई 'सीक्रेट मीटिंग' ने सियासी गलियारों में भारी खलबली मचा दी है। पठान ने गुरुवार को नबान्न पहुंचकर राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से खास मुलाकात की। इस गुपचुप बैठक का एजेंडा क्या था, इसे लेकर दोनों ही पक्षों ने पूरी तरह से चुप्पी साधी हुई है। इस मुलाकात ने अटकलों के बाजार को इसलिए भी पूरी तरह से गर्म कर दिया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (क्चछ्वक्) ने हाल ही में राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है।

टीएमसी में मची है भारी भगदड़, 20 सांसदों और 60 विधायकों की बगावत

यह कोई छिपी बात नहीं है कि यूसुफ पठान उन 20 बागी सांसदों की सूची में प्रमुखता से शामिल हैं, जिन्होंने बीते जून महीने में टीएमसी से नाता तोड़कर 'नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' (हृष्टक्कढ्ढ) में विलय का ऐलान कर दिया था। इस बागी धड़े में सायोनी घोष, काकोली घोष दस्तीदार, सुदीप बंदोपाध्याय और रचना बनर्जी जैसे कई बड़े और दिग्गज चेहरे शामिल हैं। केवल सांसद ही नहीं, बल्कि टीएमसी के 60 से ज्यादा विधायक भी खुलेआम बगावती सुर अपना चुके हैं। यूसुफ पठान के अलावा बीरभूम से सांसद शताब्दी रॉय ने भी हाल ही में मुख्यमंत्री से अलग से मुलाकात की है, जिसने इस पूरे सियासी ड्रामे में नया सस्पेंस जोड़ दिया है। सुपरस्टार प्रसनजीत चटर्जी की मुलाकात से भी बढ़ा सस्पेंसमुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के दरबार में सिर्फ बागी नेता ही नहीं पहुंच रहे हैं। गुरुवार को ही बंगाली सिनेमा के सबसे बड़े सुपरस्टार प्रसनजीत चटर्जी ने भी सीएम से करीब दो घंटे तक लंबी और बंद कमरे में मुलाकात की। यह मुलाकात इसलिए भी बेहद अहम मानी जा रही है क्योंकि कुछ ही दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी प्रसनजीत के घर पहुंचे थे। हालांकि, बाहर निकलने के बाद प्रसनजीत ने इस मुलाकात को पूरी तरह गैर-राजनीतिक करार दिया। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि दोनों ने सिर्फ साथ में कॉफी पी है और अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। इसके बावजूद, राजनीतिक पंडित इसे एक बड़े सियासी खेल के अहम हिस्से के रूप में देख रहे हैं। स्पीकर को पत्र सौंपकर अलग बैठने की हो चुकी है मांग

आपको बता दें कि पिछले महीने ही इस बागी गुट ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को एक औपचारिक पत्र सौंपकर संसद में अलग बैठने की जगह मांगी थी। तब सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने स्पष्ट रूप से दावा किया था कि उनके पास 20 सांसदों का मजबूत समर्थन है, जो पार्टी के कुल सदस्यों के दो-तिहाई आंकड़े से भी अधिक है। टीएमसी से बगावत करने वाले इन प्रमुख चेहरों में प्रसून बंद्योपाध्याय, दीपक अधिकारी, खलीलुर रहमान, बापी हलदार, डॉ शर्मिला सरकार और जून मलिया जैसे कई कद्दावर नेता शामिल हैं,

राम नगरी अयोध्या से योगी का विपक्ष पर हमला, बोले- हमारी सरकार विकास और आस्था दोनों को बढ़ा रही

अयोध्या,(आरएनएस)। राम नगरी के मंदिरों से चढ़ावा चोरी की घटना के बाद पंद्रह दिन में दूसरी बार अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने यहां राष्ट्रीय लोकदल के नेता स्वर्गीय मुन्ना सिंह चौहान की भव्य मूर्ति का अनावरण करने के साथ ही एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया। अयोध्या की बीकापुर विधानसभा क्षेत्र के सोहावल में मुख्यमंत्री ने 432 करोड़ रुपये से अधिक की विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में भाजपा और पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल के बीच के अंतर को भी स्पष्ट रूप से रेखांकित किया। डबल इंजन सरकार के संकल्प और विपक्ष पर प्रहार मुख्यमंत्री ने जनसभा में कहा कि जब प्रदेश में डबल इंजन की सरकार आई, तभी भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण संभव हो सका। विकास का लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे और जनकल्याणकारी नीतियां हर परिवार के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं, यही सरकार का मुख्य संकल्प है। पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यहां ऐसी भी सरकारें रहीं जो रामभक्तों पर गोलियां चलवाती थीं। समाजवादी पार्टी पर सीधा आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सपा ने हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ाने का पाप किया

नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के जवान केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन से प्रभावित इलाके में खोज और बचाव अभियान चला रहे हैं।

ई20 पेट्रोल से इंजन खराब होने का दावा कितना सही? सरकार ने 5 सवालों में दिया जवाब

दिल्ली ,(आरएनएस)। देशभर के वाहन चालकों और आम जनता के बीच इन दिनों श्व20 फ्यूल (20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) को लेकर कई तरह की आशंकाएं और भ्रामक खबरें तैर रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक और वॉट्सऐप पर लगातार यह दावा किया जा रहा है कि इस नए ईंधन के इस्तेमाल से गाड़ियों के इंजन पर बुरा असर पड़ रहा है और वाहनों के रबर के पाइप गल रहे हैं। जनमानस में फैल रहे इसी असमंजस और डर को दूर करने के लिए अब खुद सरकार ने आगे आकर मोर्चा संभाला है। सरकार द्वारा इस संबंध में एक विस्तृत आधिकारिक प्रेस रिलीज जारी की गई है, जिसमें आम जनता के मन में उठ रहे हर जरूरी सवाल का बेहद स्पष्ट और सीधे शब्दों में जवाब दिया गया है।

सोशल मीडिया पर फैलते भ्रम का खंडन

इंटरनेट और विभिन्न मैसेजिंग ऐप्स पर पिछले कुछ समय से श्व20 ईंधन को लेकर तरह-तरह की मनगढ़ंत बातें फैलाई जा रही हैं, जिससे वाहन मालिकों में डर का माहौल है। सरकार ने अपनी हालिया विज्ञप्ति में इन सभी दावों को पूरी तरह से भ्रामक और निराधार करार दिया है। आधिकारिक बयान में साफ किया गया है

मुकदमे की रफ्तार पर घोंघा भी उठाएगा सवाल', सुप्रीम कोर्ट में भड़के जज; 9 साल से दर्ज हो रहे सबूत

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। न्याय प्रणाली में होने वाली देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर गहरी चिंता जताते हुए बेहद सख्त और तीखी टिप्पणी की है। गुरुवार को एक पुराने मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मुकदमे की रफ्तार इतनी धीमी है कि इस पर एक 'घोंघा' भी सवाल उठा सकता है। अदालत ने हैरानी जताते हुए कहा कि यह मुकदमा साल 2015 में दायर किया गया था, लेकिन 9 साल बीत जाने के बाद 2026 तक भी इसमें वादी के साक्ष्य (सबूत) ही दर्ज किए जा रहे हैं। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की खंडपीठ एक निजी कंपनी की अपील पर सुनवाई कर रही थी। इस कंपनी ने फरवरी 2025 में दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दिए गए एक आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। दरअसल, कंपनी ने दिल्ली हाईकोर्ट में एक अर्जी लगाकर लंबित मुकदमे में कुछ नए और अतिरिक्त दस्तावेज रिकॉर्ड पर लाने और एक गवाह को दोबारा जिरह (पूछताछ) के लिए बुलाने की मांग की थी। लेकिन हाईकोर्ट ने इस अर्जी को खारिज कर दिया था। आपको बता दें कि यह मूल मुकदमा मई 2015 में दायर हुआ था और बाद में जनवरी 2018 में इसे वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम, 2015 के तहत 'वाणिज्यिक मुकदमे' के रूप में दर्ज कर लिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की कंपनी की अपील

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए कंपनी की अपील को सिरे से खारिज कर दिया।

जगन्नाथ रथ यात्रा से पहले प्रशासन अलर्ट, बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर सख्त रोक

पुरी ,(आरएनएस)। ओडिशा के पुरी में विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 2026 को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इस भव्य उत्सव के दौरान देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने पुरी शहर और उसके आसपास के 5 किलोमीटर के दायरे को %नो फ्लाइंग जोन% घोषित कर दिया है।

16 से 27 जुलाई तक ड्रोन पर पाबंदी

प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, रथ यात्रा, बाहुड़ा यात्रा और इससे जुड़े अन्य सभी धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान 16 जुलाई से 27 जुलाई 2026 तक ड्रोन या किसी भी प्रकार की मानव रहित विमान प्रणाली (¹ड्क्क) के उड़ाने पर पूरी तरह से रोक रहेगी। प्रशासन का मानना है कि इतनी बड़ी भीड़ के ऊपर अनियंत्रित ड्रोन उड़ाने से सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है।

शिवसेना (यूटीबी) की पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने ताइपे में ओशन फ़ोरम में हिस्सा लेने के दौरान ताइवान के विदेश मंत्री लिन चिया-लुंग से हाथ मिलाया। वह वहाँ इंटर-पार्लियामेंट्री अलायंस ऑन चाइना% की भारत की ओर से को-चेयर के तौर पर गई थीं।

सूरत के लिंबायत इलाके में फायरफाइटर्स ने मीठी खाड़ी से दो लोगों के शव बरामद किए।

बेटी ने रची मां की मौत की साजिश! पहली कोशिश नाकाम, फिर 130 की रफ्तार से स्कॉर्पियो चढ़ाकर की हत्या का आरोप

जयपुर,(आरएनएस)। जयपुर में राजस्थान हाईकोर्ट की कर्मचारी नीरज शर्मा की मौत के मामले में पुलिस जांच के दौरान लगातार चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जिस घटना को शुरुआत में सड़क हादसा माना जा रहा था, उसे अब पुलिस पूर्व नियोजित हत्या की साजिश मानकर जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि नीरज शर्मा की हत्या की कोशिश एक बार नहीं, बल्कि दो बार की गई थी। पहली कोशिश नाकाम रहने के बाद आरोपियों ने रणनीति बदलकर दूसरी बार कथित रूप से सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस के अनुसार, 3 जुलाई को हुई घटना से पहले आरोपियों ने नीरज शर्मा को उनके घर के बाहर किराए की महिंद्रा थार से कुचलने की योजना बनाई थी। हालांकि, उस दिन वह बच गईं। इस घटना के बाद नीरज को अपने पीछे किसी के लगे होने का संदेह हुआ और उन्होंने सुरक्षा के मद्देनजर घर के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगवा दिए।

सीसीटीवी लगने के बाद बदली गई योजना

जांच में सामने आया है कि घर के बाहर कैमरे लगने के बाद आरोपियों ने घटनास्थल बदलने का फैसला किया। कथित साजिशकर्ताओं ने ऐसी जगह हमला करने की योजना बनाई, जहां वारदात को सड़क हादसा साबित करना आसान हो और किसी को शक न हो।

बेटी के फोन के बाद बदला रास्ता पुलिस के मुताबिक, घटना वाले दिन नीरज शर्मा अपने 16 वर्षीय दिव्यांग बेटे को कोचिंग छोड़कर लौट रही थीं। इसी दौरान उनकी बेटी आयुषी शर्मा ने उन्हें फोन कर किसी जरूरी काम का हवाला देते हुए घर वापस बुलाया। जांच एजेंसियों का आरोप है कि जैसे ही नीरज ने अपना रास्ता बदला, पहले से निगरानी कर रहे लोगों ने स्कॉर्पियो सवार हमलावरों को संकेत दे दिया।130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से मारी टक्कर

पुलिस जांच के अनुसार, स्कॉर्पियो करीब 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पीछे से आई और नीरज शर्मा की स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह करीब 100 फीट दूर जा गिरीं। शुरुआती दौर में इस घटना को सड़क दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की गई। अनुकंपा नौकरी और 5 बीघा जमीन बना कथित साजिश का कारण

पुलिस के अनुसार, परिवार में विवाद की शुरुआत नीरज शर्मा के पति विजय कुमार शर्मा की मृत्यु के बाद हुई।

भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे महत्वाकांक्षी और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक रामायण को लेकर दर्शकों का इंतजार अब खत्म होने वाला है। फिल्म की पहली झलक के सोशल मीडिया पर तहलका मचाने के बाद, शनिवार को मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है कि रामायण- पार्ट 1% का भव्य ग्लोबल ट्रेलर 24 जुलाई, 2026 को दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा।

गोलमाल 5 से जुड़ा अभिनेत्री प्रियामणि का नाम, खलनायिका बनकर मचाएगी धमाल

रोहित शेट्टी एक बार फिर गोलमाल फ्रैंचाइजी की दुनिया में कदम रख चुके हैं। इस सुपरहिट फिल्म की 5वीं किस्त के साथ अजय देवगन और उनकी पूरी पलटन लौटने के लिए तैयार है। काफी समय से चर्चा थी कि इस बार निर्माता फिल्म में महिला अभिनेत्री को शामिल नहीं करेंगे और यह पूरी तरह से पुरुष प्रधान फिल्म होगी। अब फिल्म पर आई हालिया जानकारी पिछले दावे से पूरी तरह उलट है, क्योंकि एक अभिनेत्री इसमें शामिल हो गई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, गोलमाल 5 से अभिनेत्री प्रियामणि का नाम जुड़ चुका है। फैमिली मैन और आर्टिकल 370 जैसी फिल्मों व सीरीज से चर्चा बटोरने वालीं अभिनेत्री फिल्म में एक नकारात्मक किरदार निभाती हुई दिखाई देंगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि रोहित दर्शकों का मनोरंजन बढ़ाने के लिए अपनी फिल्म में अभिनेत्री का नकारात्मक किरदार किस तरह से दर्शाते हैं। फिलहाल तो प्रियामणि के जुड़ने की खबरों ने ही फैंस को उत्साहित कर दिया है।

गोलमाल 5 में अजय के अलावा, अरशद वारसी, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, कुणाल खेमू और शरमन जोशी भी अपने-अपने किरदारों में वापसी करते हुए दिखाई देंगे। दिलचस्प बात यह है कि अक्षय कुमार भी फिल्म का आधिकारिक हिस्सा

बन चुके हैं। कुछ महीने पहले निर्माताओं ने एक पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की पूरी स्टारकास्ट से रूबरू करवाया था। खबरों के मुताबिक, फिल्म को 2027 की शुरुआत में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही हैं।

बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ के करीब पहुंची अल्फा, वेलकम टू द जंगल ने बॉक्स ऑफिस पर पकड़ी रफ्तार

आलिया भट्ट की फिल्म अल्फा वीकडेज में ठीक ठाक कलेक्शन कर रही है। हुमा कुरैशी की फिल्म बेबी डू डाई डू के कलेक्शन में कोई खास इजाफा नहीं हुआ है। अक्षय कुमार की फिल्म अब भी बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई है।

फिल्म रहूं मैं तेरे रूबरू का दमदार ट्रेलर जारी, सस्पेंस और थ्रिल से है भरपूर, 17 जुलाई को होगी रिलीज

बॉलीवुड निर्देशक इंद्र दास की फिल्म रहूं मैं तेरे रूबरू का टीजर काफी चर्चाएं बटोर चुका था। अब निर्माताओं ने इसका आधिकारिक ट्रेलर जारी कर दिया है, जो प्यार, सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है। फिल्म में आर्य कुमार, नीता शेट्टी और पीहू बिस्वास मुख्य किरदारों में शामिल हैं। इसका निर्माण सुमन सौरभ ने एसएस एंटरटेनमेंट वर्ल्ड और रेडआई स्टूडियो के बैनत तले किया है। यह एक दिलचस्प मर्डर-मिस्ट्री है, जिसके ट्रेलर के साथ रिलीज तारीख भी आ गई है।

यूट्यूब पर आए रहूं मैं तेरे रूबरू के ट्रेलर की शुरुआत एक रहस्यमयी माहौल से होती है। फिर कहानी में प्यार, रोमांस, शानदार संगीत और रहस्यों की परतें खुलनी शुरू हो जाती हैं।

पुष्पा 2 के बाद अल्लू अर्जुन की राका में दिखेगी अभिनेत्री श्रीलीला? जानिए क्या है अपडेट

अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म राका से फिर बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। पुष्पा 2 (2024) की जबरदस्त सफलता के बाद, फैंस एटली द्वारा निर्देशित इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अप्रैल महीने में, निर्माताओं ने फिल्म से अल्लू की पहली आधिकारिक झलक सोशल मीडिया पर साझा की थी। इस बीच, फिल्म से जुड़ा एक ताजा अपडेट आया है जिसने लोगों के बीच इस परियोजना को लेकर हलचल मचा दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, राका में अल्लू और श्रीलाला के बीच एक सहयोग देखने को मिल सकता है। सूत्र ने कहा, कुछ दिन पहले श्रीलीला, अल्लू अर्जुन के साथ लगातार 2 दिनों तक राका की शूटिंग कर रही थीं। अभी कुछ पक्का नहीं है, लेकिन कुछ तो चल रहा है। और अगर यह सच है तो राका के साथ पुष्पा 2 की धूम जारी रहेगी। बता दें, दोनों ने पुष्पा 2 में एक डांस नंबर करके धमाल मचा

दिया था। फिलहाल, श्रीलीला के राका के साथ जुड़ने की अटकलों पर निर्माताओं ने अब तक कोई पुष्टि नहीं की है। फिल्म में पहली बार अल्लू के साथ दीपिका पादुकोण मुख्य किरदार में नजर आएंगी। खबरों की मानें, तो उन्हें इसमें एक शक्तिशाली योद्धा की भूमिका निभाते हुए देखा जा सकेगा। फिल्म की कहानी एक शक्तिशाली नायक के इर्द-गिर्द घूमने की उम्मीद है, जो हिंसा और बदला के संघर्षों में घिरा है। राका 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाने उतरेगी।

दादा से राजकुमार राव की पहली झलक जारी, सौरव गांगुली के अंदाज में आए नजर

टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर और कप्तान सौरव गांगुली की बायोपिक को लेकर लंबे समय से चर्चा थी. सौरव गांगुली के 54वें बर्थडे पर उनकी बायोपिक दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी का ऑफिशियली एलान हो गया है. साथ ही फिल्म में राजकुमार राव पूर्व कप्तान का रोल करने जा रहे हैं. बायोपिक दादा से राजकुमार राव का फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है. बता दें, फिल्म के लिए थोड़ा लंबा इंतजार करना पड़ेगा. क्योंकि फिल्म इस साल नहीं बल्कि अगले साल 2027 में रिलीज होने जा रही है. बात करें बायोपिक दादा से आए राजकुमार राव के बतौर सौरव गांगुली लुक की तो बता वह बेहद ही शानदार है. राजकुमार राव बतौर सौरव गांगुली फर्स्ट लुक में लॉर्ड्स के उस पवेलियन में टी-शर्ट उतारकर लहराते दिख रहे हैं, जैसे गांगुली ने 13 जुलाई 2002 को नेट-वेस्ट ट्राई सीरीज के फाइनल में इंग्लैंड को हराने के बाद उतारी थी. गांगुली के इस विनिंग गेस्चर पर बहुत बवाल भी हुआ था. टीम इंडिया की इंग्लैंड पर इस ऐतिहासिक जीत की आज भी चर्चा होती है. बता दें, फिल्म 14 मई 2027 को रिलीज होगी और इसे ईद के मौके पर लंबा हॉलीडे वीकेंड मिलने वाला है.

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने अपनी बायोपिक का फर्स्ट लुक शेयर कर अपना रिएक्शन दिया है. दादा ने पोस्टर शेयर करते हुए अपने एक्स हैंडल पर लिखा है, अब तक का बेस्ट गिफ्ट, मुझे अब अपना कवर ड्राइव शॉर्ट देखने का इंतजार नहीं हो रहा है.

दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी का निर्देशन विक्रमादित्य मोटवाने ने किया है, इसे लव रंजन और अंकुर गर्ग ने प्रोड्यूस किया है. गुलशन कुमार, भूषण कुमार, टी-सीरीज़ और डीबीएल ने इसे पेश करने जा रहे हैं. यह फिल्म लव फिल्म्स के बैनर तले बनी है. गौरतलब है कि साल 2021 में सौरव ने अपनी बायोपिक का एलान किया था. बायोपिक में सौरव की शुरुआती जिंदगी से उनके बीसीसीआई अध्यक्ष बनने तक की कहानी नजर आएगी. बायोपिक का बजट बड़ा बताया जा रहा है.

बीमा सबके लिए' आईआरडीएआई के अध्यक्ष अजय सेठ ने बीमा साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए उपभोक्ता जागरूकता कॉमिक बुक सिरीज का अनावरण किया

जीवन बीमा क्षेत्र के लीडर एक साथ आए, उपभोक्ताओं के मध्य जीवन बीमा के प्रति जागरूकता, समझ और अपनाने को बढ़ावा देकर 'बीमा सबके लिए' के विजन को आगे बढ़ाने का संकल्प

Mumbai: 'बीमा सबके लिए' (Insurance for All) के विजन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के चेयरमैन श्री अजय सेठ ने उपभोक्ताओं के मध्य जीवन बीमा की अवधारणाओं को आसान बनाने और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उपभोक्ता जागरूकता कॉमिक बुक श्रृंखला का अनावरण किया। जीवन बीमा क्षेत्र के प्रमुख लीडर्स ने एक मंच पर आकर जीवन बीमा को सारे देशवासियों और परिवारों के लिए अधिक आसान, सरल और प्रासंगिक बनाने की दिशा में अपने साझा संकल्प को मजबूत किया।

यह शिक्षाप्रद कॉमिक बुक सिरीज जीवन बीमा की समझ को सरल और लोकतांत्रिक बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। यह इस तथ्य पर आधारित है कि संभावित खरीदारों के साथ वे लोग भी, जो जीवन बीमा लेने से बचते हैं, प्रायः इसे कठिन मानते हैं। इस पहल का उद्देश्य एमडब्ल्यूपी , वेवर ऑफ प्रीमियमतथा गंभीर बीमारी राइडर जैसी प्रमुख अवधारणाओं को सरलता से समझाना है। इन विशिष्ट अवधारणाओं को तकनीकी भाषा के बजाय रोजमर्रा के जीवन से जुड़ी कहानियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। सीखने के माध्यम के रूप में कॉमिक्स का चयन इस बात का संकेत है कि अब कहानी-आधारित शिक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। यह विभिन्न आयु वर्गों और भौगोलिक क्षेत्रों के लोगों से सहज रूप से जुड़ती है। यह सिरीज युवा जीवन बीमा सलाहकार सुप्रिया की यात्रा पर आधारित है। इसके माध्यम से वास्तविक जीवन की परिस्थितियों को स्टोरी मेमोरीज़ के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इससे लोगों को यह समझने में मदद मिलती है कि पहले लिए गए वित्तीय निर्णय भविष्य की आर्थिक सुरक्षा को किस प्रकार प्रभावित करते हैं। यह प्रयास बीमा सबके लिए% के व्यापक लक्ष्य की दिशा में एक सार्थक कदम है। यह केवल उत्पाद की जानकारी तक सीमित न रहकर उपभोक्ताओं को समझदारी के साथ निर्णय लेने में सक्षम बनाता है। राष्ट्रीय बीमा जागरूकता दिवस के अवसर पर शुरू की गई यह पहल आईआरडीएआई और जीवन बीमा उद्योग की उस साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को सूचित निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना, जीवन सुरक्षा सॉल्यूशन की समझ को गहरा करना तथा भारतीय परिवारों में वित्तीय तैयारी की भावना को मजबूत करना है।

मिक्सर की जार को साफ करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, होगा आसान

आजकल मिक्सर लगभग हर रसोई में देखने को मिलता है। इसका उपयोग कई चीजों को पीसने के लिए किया जाता है। हालांकि, इसका उपयोग करने के बाद इसे साफ करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है, खासकर अगर जार में कुछ चिपक जाए तो इसे साफ करने में काफी मेहनत लगती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर मिक्सर की जार को आसानी से साफ किया जा सकता है।

गर्म पानी और साबुन का करें इस्तेमाल

मिक्सर की जार को साफ करने के लिए गर्म पानी और साबुन का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में गर्म पानी भरें, फिर इसमें थोड़ा साबुन डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद एक नरम स्पंज से जार को हल्के हाथों से साफ करें। इससे जार की अंदरूनी गंदगी और दाग हट जाएंगे और यह चमकदार बनेगा। ध्यान रखें कि पानी बहुत गर्म न हो ताकि जार टूट न जाए।

सिरका और खाने का सोडा भी है असरदार

मिक्सर की जार को साफ करने के लिए सिरका और खाने का सोडा का मिश्रण भी अच्छा उपाय हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में एक चम्मच सिरका और एक चम्मच खाने का

सोडा डालें, फिर इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इससे जार में जमा गंदगी नरम हो जाएगी। इसके बाद नरम स्पंज से जार को रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। यह तरीका जार को नई जैसी चमकदार बनाएगा।

नींबू का रस भी करेगा मदद

नींबू का रस भी मिक्सर की जार को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में आधा कप पानी भरें, फिर उसमें दो चम्मच नींबू का रस डालें और इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद सफाई के लिए साबुन डालकर मिक्सर को चलाएं, फिर इसे ठंडे पानी से धो लें। इससे जार की अंदरूनी गंदगी साफ हो जाएगी और यह चमकदार बनेगा।

खाने का सोडा और पानी का मिश्रण बनाएं

खाने का सोडा और पानी का मिश्रण भी मिक्सर की जार को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में एक चम्मच खाने का सोडा और एक चम्मच पानी डालें, फिर इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें ताकि खाने का सोडा अच्छी तरह से फैल सके। इसके बाद एक नरम स्पंज से जार को हल्के हाथों से रगड़ें ताकि सारी गंदगी निकल जाए। अंत में ठंडे पानी से धोकर साफ करें।

सफेद सिरका और गर्म पानी का मिश्रण बनाएं

सफेद सिरका और गर्म पानी का मिश्रण भी मिक्सर की जार को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में आधा कप गर्म पानी भरें, फिर उसमें दो चम्मच सफेद सिरका डालें और इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद नरम स्पंज से जार को रगड़ें ताकि सारी गंदगी निकल जाए। अंत में ठंडे पानी से धोकर साफ करें।

००

मानसून में वॉशिंग मशीन का ऐसे रखें ध्यान, कपड़ों में नहीं आएगी सीलन की बदबू

बरसात के मौसम में हवा में नमी काफी बढ़ जाती है, जिसका असर वॉशिंग मशीन पर भी पड़ता है। धुलाई के बाद मशीन के अंदर बची नमी जल्दी नहीं सूखती और लंबे समय तक बनी रहती है। इससे ड्रम, रबर सील और डिटर्जेंट ट्रे में फफूंदी, बैक्टीरिया और बदबू बनने का खतरा बढ़ जाता है। इसका असर मशीन के साथ-साथ कपड़ों की सफाई और उनकी खुशबू पर साफ दिखाई देने लगता है।

धुलाई के बाद यह काम जरूर करें

विशेषज्ञों की सलाह है कि हर धुलाई के बाद वॉशिंग मशीन का दरवाजा और डिटर्जेंट ट्रे कुछ घंटों के लिए खुली छोड़ दें। इससे अंदर की नमी आसानी से बाहर निकल जाती है और हवा का प्रवाह बना रहता है। दरवाजा बंद करने से पहले रबर की सील को सूखे और साफ कपड़े से अच्छी तरह पोंछ लें। टॉप-लोड मशीन इस्तेमाल करने वाले लोग भी धुलाई के बाद कुछ समय तक ढक्कन खुला रखें।

समय-समय पर करें मशीन की सफाई

हर दो से तीन सप्ताह में बिना कपड़ों के गर्म पानी के साथ वॉशिंग मशीन क्लीनर चलाना फायदेमंद माना जाता है। इससे अंदर जमी गंदगी, फफूंदी और बैक्टीरिया साफ होने में मदद मिलती है। मशीन को हमेशा हवादार जगह पर रखें और ऐसी जगह लगाने से बचें, जहां सीधे बारिश या अधिक नमी का असर पड़ता हो। इससे वॉशिंग मशीन काफी लंबे समय तक बेहतर स्थिति में बनी रहती है।

इन छोटी सावधानियों से बचेंगे बड़े खर्च से

वॉशिंग मशीन के बिजली कनेक्शन, पावर सॉकेट और अर्थिंग की समय-समय पर जांच कराते रहें, ताकि नमी से होने वाली खराबी से बचा जा सके। अगर मशीन से बदबू आने लगे, पानी ठीक से बाहर न निकले या कोई दूसरी समस्या दिखे तो तुरंत जांच कराएं। समय पर सर्विस कराने से छोटी खराबी बड़ी नहीं बनती और मशीन की कार्यक्षमता तथा उम्र दोनों लंबे समय तक बेहतर बनी रहती हैं।

शब्द सामर्थ्य -094

(भागवत खाडू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकूल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदू विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

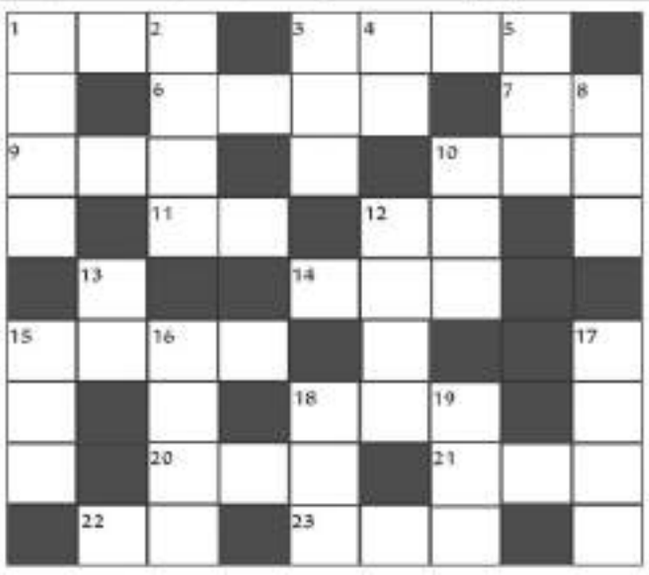

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 093 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	को
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना माढ़ोताल में रात मुन्नालाल पटेल उम्र 66 वर्ष निवासी करमेता ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सिचाई विभाग से सेवानिवृत्त है सब्जी, फ्रूट लेकर घर वापस आ रहा था मॉ रेवा कालोनी मोड़ के पास रात लगभग 9-15 बजे पहुॅचा तभी मोटर सायकल में 3 लड़के आये जिनमें से 2 लड़कों ने उसे पकड़कर उसके फुल पेंट की जेब से 1 सेमसंग कम्पनी का मोबाइल, 1 छोटी डायरी आईकार्ड रखने वाली जिसमें उसका पहचान पत्र व नगदी रकम 1150 रूपये छीनकर तीनों मोटर सायकल से चुंगी नाका तरफभाग गये।

सतर्कता विभाग की कार्य-निष्पादन समीक्षा बैठक सम्पन्न

रेलवे बोर्ड के प्रमुख कार्यकारी निदेशक (सतर्कता) राजेन्द्र कुमार सोनी ने की अध्यक्षता

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेल सतर्कता विभाग के तत्वावधान में दिनांक 09 एवं 10 जुलाई, 2026 को मुख्यालय, जबलपुर में दो दिवसीय %सतर्कता प्रदर्शन समीक्षा बैठक% का सफल आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता रेलवे बोर्ड के प्रमुख कार्यकारी निदेशक (सतर्कता) श्री राजेन्द्र कुमार सोनी ने की। बैठक में रेलवे बोर्ड के सतर्कता निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पश्चिम मध्य रेलवे सहित विभिन्न रेलवे इकाइयों के सतर्कता कार्यों एवं प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के शुभारंभ अवसर पर पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने सभी अधिकारियों एवं प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय रेल जैसी विशाल संस्था में सतर्कता अनियमितताओं की रोकथाम माध्यम के साथ-साथ सुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति का आधार है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी का दायित्व है कि वह ईमानदारी, निष्पक्षता तथा नियमबद्ध कार्यप्रणाली को अपने दैनिक कार्यों का अभिन्न अंग बनाए। महाप्रबंधक ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार की समीक्षा बैठकें सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान तथा संगठनात्मक सुधार को नई दिशा प्रदान करेंगी।

इस अवसर पर वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, पश्चिम मध्य रेल श्री नीरज कुमार ने कहा कि सतर्कता विभाग का उद्देश्य अनियमितताओं की पहचान एवं उनकी रोकथाम के उपाय करना तथा विभिन्न विभागों में ऐसी कार्यप्रणाली विकसित करना है जिससे पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं दक्षता को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने सभी अधिकारियों से सतर्कता जागरूकता को कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

दो दिवसीय समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख कार्यकारी निदेशक (सतर्कता) श्री राजेन्द्र कुमार सोनी ने रेलवे की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा एवं समीक्षा की। इसमें नियमित निरीक्षण एवं जांच प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने, कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने, सभी कार्यों का नियमानुसार निष्पादन, संवेदनशील क्षेत्रों की सतत निगरानी तथा प्रणालीगत सुधार एवं सुधारात्मक उपायों को प्राथमिकता देने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष बल दिया गया।

बैठक में विभिन्न रेलवे इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं उनकी टीमों ने सहभागिता की, जिनमें मुख्य सतर्कता अधिकारी, बनारस लोकोमोटिव वर्क्स, मुख्य सतर्कता अधिकारी, अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन, मुख्य सतर्कता अधिकारी, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पश्चिम मध्य रेलवे की ओर से उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (इंजीनियर) श्री सौरभ कुमार, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (स्टोर) श्री मनोज कुमार महावर, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (ट्रैफिक) श्री धनराज सिंह जाटव एवं सहायक सतर्कता अधिकारी (एकाउंट्स) श्री अजय श्रीवास्तव तथा सहायक सतर्कता अधिकारी (सिग्नल एवं दूरसंचार) श्री अमरदीप खरे सहित सतर्कता विभाग के निरीक्षकों एवं कर्मचारियों ने बैठक के सफल आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। बैठक का सफल संचालन एवं अंत में आभार प्रदर्शन उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (ए एंड पी) श्री अनिल कुमार तिवारी द्वारा किया गया।

बरगी जलाशय में घटते मत्स्य उत्पादन, संकट में मछुआरे

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बरगी जलाशय में लगातार घटते मत्स्य उत्पादन के कारण हजारों पारंपरिक मछुआरा परिवार गंभीर आजीविका संकट का सामना कर रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि बड़ी संख्या में मछुआरे अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए बरगी जलाशय छोड़कर बाणसागर, राजगढ़, माचागोरा तथा अन्य जलाशयों में मत्स्याखेट हेतु पलायन करने को मजबूर हैं। इन जलाशयों में बाहरी मछुआरों के रूप में कार्य करने के दौरान उन्हें स्थानीय ठेकेदारों और व्यापारियों द्वारा कम मजदूरी, अनुचित भुगतान तथा अन्य आर्थिक शोषण का सामना करना पड़ता है। बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ के राजकुमार सिन्हा ने बताया की बरगी जलाशय में मत्स्य उत्पादन में लगातार हो रही गिरावट को लेकर मछुआरों की प्राथमिक सहकारी समितियां लंबे समय से राज्य सरकार से वैज्ञानिक एवं स्वतंत्र अध्ययन कराने की मांग करती रही हैं। मछुआरों का कहना है कि जलाशय की पारिस्थितिकी, जल स्तर में उतार-चढ़ाव, मत्स्य प्रजातियों की स्थिति तथा मत्स्य प्रबंधन व्यवस्था का समग्र वैज्ञानिक मूल्यांकन किए बिना उत्पादन में गिरावट के वास्तविक कारणों का पता नहीं लगाया जा सकता। मछुआरों का यह भी आरोप है कि जलाशय में मत्स्य बीज संचय (फिश सीड स्टॉकिंग) की वर्तमान व्यवस्था पारदर्शी नहीं है। मत्स्य बीज की गुणवत्ता, मात्रा, प्रजातियों के चयन तथा समयबद्ध संचय की स्वतंत्र निगरानी नहीं होने के कारण इसका प्रतिकूल प्रभाव मत्स्य उत्पादन पर पड़ रहा है। यदि वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज का नियमित और पारदर्शी संचय सुनिश्चित किया जाए, तो उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।

उल्लेखनीय है कि लगभग 16 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले बरगी जलाशय पर मंडला, सिवनी और जबलपुर जिलों की 54 प्राथमिक मछुआरा सहकारी समितियों के लगभग 3,000 मछुआरा परिवार अपनी आजीविका के लिए निर्भर हैं। मत्स्य उत्पादन में गिरावट का सीधा प्रभाव इन परिवारों की आय, रोजगार और सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है। बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ ने कहा कि 1990 के दशक में तत्कालीन राज्य सरकार ने राज्य मत्स्य विकास निगम को समाप्त कर मध्यप्रदेश राज्य मत्स्य महासंघ, भोपाल के माध्यम से मत्स्य क्षेत्र के संचालन की व्यवस्था की थी। इसका उद्देश्य जलाशयों के विकास, मत्स्य उत्पादन और मछुआरा कल्याण से जुड़े निर्णयों में स्थानीय सक्रिय मछुआरा प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करना था। किंतु दुर्भाग्यपूर्ण है कि पिछले दो दशकों से अधिक समय से राज्य मत्स्य महासंघ के चुनाव नहीं कराए गए हैं. बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ ने राज्य सरकार से मांग की है कि बरगी जलाशय में घटते मत्स्य उत्पादन के कारणों का स्वतंत्र एवं वैज्ञानिक अध्ययन कराया जाए। मत्स्य बीज संचय की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी, वैज्ञानिक एवं जनभागीदारी आधारित बनाया जाए। मछुआरों को मछली पकड़ने की मजदूरी वर्तमान महंगाई और श्रम लागत के अनुरूप बढ़ाई जाए। मध्यप्रदेश राज्य मत्स्य महासंघ के लंबित चुनाव तत्काल कराकर मछुआरा प्रतिनिधियों को लोकतांत्रिक भागीदारी का अधिकार दिया जाए।

काव्यधारा का साहित्य सम्मेलन आज

जबलपुर ।काव्यधारा साहित्य समूह हैदराबाद का राष्ट्रीय सम्मेलन 12 जुलाई को प्रात: 10 बजे से समदड़िया इन रसल चौक में आयोजित है । समारोह संयोजक वरिष्ठ साहित्यकार हैदराबाद की श्रीमती सुनीताजी ने बताया कि साहित्य नगरी संस्कारधानी में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. हरिशंकर दुबे होंगे। अध्यक्षता श्री सत्य प्रसन्न जी करेंगे। सरस्वत अतिथि डॉ.तनूजा चौधरी, विजय बागरी, राजेश पाठक प्रवीण है।अधिवेशन में देश के विविध अंचलों से वरिष्ठ साहित्यकार शामिल हो रहे हैं। अधिवेशन का शुभारंभ 10-30 बजे से होगा।उसके बाद साहित्यकारों का परिचय,संस्था की गतिविधियाँ एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

संभागायुक्त सिंह ने की आकांक्षी विकासखंड नारायणगंज की समीक्षा, शत-प्रतिशत लक्ष्यपूर्ति के दिए निर्देश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। संभागायुक्त धनंजय सिंह ने मंडला जिले के आकांक्षी विकासखंड नारायणगंज के संबंध में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित इस बैठक में उन्होंने आकांक्षी विकासखंड नारायणगंज के विकास से जुड़े प्रमुख क्षेत्रों की विस्तार से समीक्षा कीङ्क विकासखंड नारायणगंज के पूर्व में किए गए निरीक्षण के बिंदुओं पर की गई कार्यवाही की समीक्षा भी की गयीङ्क इसके अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन और अवसंरचना के साथ-साथ केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के अभिसरण से जुड़े कुल 38 महत्पूर्ण संकेतकों में हुई प्रगति की संबंधित विभागों से बिन्दुवार प्रगति प्राप्त की गयी। समीक्षा के दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने स्वास्थ्य एवं पोषण, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, कृषि, पशुपालन, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण, ई-गवर्नेंस तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जैसे महत्वपूर्ण विभागों के कार्यों का विस्तृत विवरण लिया। उन्होंने आकांक्षी ब्लॉक नारायणगंज में चल रहे विकास कार्यों की गति को और तेज करने पर बल दिया। बैठक के अंत में उन्होंने कलेक्टर मंडला, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों और विकासखंड स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सभी निर्धारित संकेतकों में शत-प्रतिशत लक्ष्यपूर्ति सुनिश्चित करें

ग्वारीघाट नर्मदा घाट क्षेत्र में बढ़ती समस्याओं को लेकर पंथ विक्रेता एकता संघ ने एसपी को ज्ञापन सौंपा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। ग्वारीघाट स्थित नर्मदा घाट क्षेत्र, जो आस्था का प्रमुख केंद्र है, में इन दिनों कई गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को यातायात जाम, चोरी की घटनाओं और धार्मिक माहौल को भंग करने वाली गतिविधियों का सामना करना पड़ रहा है। इसको लेकर पंथ विक्रेता एकता संघ ने शहर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एडिशनल एसपी) आयुष जाखड़ को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है, जिसमें तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है ।

ज्ञापन में मुख्य रूप से तीन प्रमुख बिंदुओं पर कार्रवाई की मांग उठाई गई है-

यातायात व्यवस्था में सुधार- घाट क्षेत्र में ऑटो और ई-रिक्शा के चलते अक्सर भीषण जाम की स्थिति बन जाती है। संघ ने मांग की है कि यहां इन वाहनों के आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। केवल विकलांग, बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार श्रद्धालुओं को ही विशेष अनुमति के आधार पर प्रवेश दिया जाए, ताकि आम श्रद्धालुओं को परेशानी न हो । सुरक्षा एवं चोरी की घटनाओं पर अंकुश- घाट परिसर में लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों को गंभीरता से लेते हुए, संघ ने पुलिस गश्त बढ़ाने और सीसीटीवी निगरानी को और मजबूत करने की मांग की है। साथ ही, संदिग्ध व्यक्तियों और घाट पर छिपे फरार अपराधियों पर विशेष नजर रखने की भी आवश्यकता बताई गई है । क धार्मिक गरिमा का संरक्षण- नर्मदा घाट की पवित्रता को देखते हुए यह भी मांग उठाई गई है कि बाहरी लोगों द्वारा यहां पिकनिक, मांसाहारी भोजन (चिकन-मटन पार्टी) और शराब पीने जैसी गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। इसके अलावा, भजन-कीर्तन में विघ्न डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए । एडिशनल एसपी आयुष जाखड़ को सौंपे गए इस ज्ञापन में संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो श्रद्धालुओं की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है और घाट की धार्मिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंच सकती है। पुलिस प्रशासन ने ज्ञापन गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

विद्युत अग्नि सुरक्षा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। राष्ट्रीय विद्युत सुरक्षा दिवस 2026 के अवसर पर नई दिल्ली स्थित ऐतिहासिक मानेकशॉ सेंटर के जोरावर ऑडिटोरियम में विद्युत अग्नि सुरक्षा (इलेक्ट्रिकल फायर सेफ्टी) विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में विद्युत सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाने तथा विद्युत जनित अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए व्यापक जन-जागरूकता और सुरक्षित कार्य संस्कृति विकसित करने पर बल दिया गया।

भारत सरकार के विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने संदेश में कहा कि देश में बिजली की पहुंच का निरंतर विस्तार, विद्युत अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण तथा नवीकरणीय ऊर्जा का बढ़ता एकीकरण भारत की प्रगति और समृद्धि का मजबूत आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि यह विकास सुरक्षा और उत्तरदायित्व की सशक्त संस्कृति के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि देश के प्रत्येक नागरिक तक बिजली सुरक्षित,संरक्षित और सतत रूप से पहुंचे। वही भारत सरकार के विद्युत तथा नवीन

एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री श्रीपाद येसो नाइक ने अपने संदेश में नागरिकों से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन से कुछ समय निकालकर घरों और कार्यस्थलों को विद्युत दुर्घटनाओं से सुरक्षित बनाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि आज जीवन का लगभग हर क्षेत्र बिजली पर निर्भर है और ऐसी स्थिति में छोटी-सी चूक या लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए जागरूकता, सतर्कता और जिम्मेदार व्यवहार ही विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम का सबसे प्रभावी उपाय है।

राष्ट्रीय सम्मेलन को केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सी ई ए)के अध्यक्ष एवं पदेन सचिव श्री घनश्याम प्रसाद,विद्युत प्रणाली सदस्य एवं पदेन अपर सचिव श्री विजय कुमार सिंह तथा बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड एवं बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड के निदेशक श्री अमल सिन्हा ने सम्मलेन में अपने विचार रखे. -जीरो एक्सीडेंट लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता-

*सम्मेलन में विशेषज्ञों ने विद्युत सुरक्षा को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने के लिए अनेक सुझाव दिए जिनमें

विद्युत सुरक्षा को दैनिक जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने,

आज की सजगता ही कल की सुरक्षा की गारंटी, व्यापक जन-जागरूकता से विद्युत दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने, प्रत्येक कार्यस्थल पर सुरक्षित और जोखिम-मुक्त कार्य वातावरण उपलब्ध कराने, सुरक्षा संबंधी विषयों पर गंभीरता एवं दूरदर्शिता के साथ विचार करने,

घरों में विद्युत भार (लोड) बढ़ाने तथा आंतरिक वायरिंग का चयन करते समय विशेषज्ञों की सलाह लेने और किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाने,

विद्युत सहित सभी जोखिमपूर्ण क्षेत्रों में सुरक्षा और सतर्कता को कार्य-संस्कृति का अभिन्न अंग बनाने,卐जीरो एक्सीडेंट卐 लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दिये जाने,

घरों एवं संस्थानों में विद्युत फिटिंग वायरिंग और उपकरणों की नियमित जांच सुनिश्चित करने तथा वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध (ए एम सी) जैसी व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित किये जाने के सुझाव दिये गए ।

विकसित भारत -2047 लक्ष्य मे रहेगी विद्युत की अहम भूमिका-

विशेषज्ञों ने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में बिजली की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसलिए सुरक्षित एवं जिम्मेदार विद्युत उपयोग को सामूहिक उत्तरदायित्व के रूप में अपनाया जाए। सम्मेलन में यह संदेश प्रमुखता से उभरकर सामने आया कि विद्युत सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं,बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। सुरक्षित बिजली उपयोग की संस्कृति विकसित कर ही दुर्घटनामुक्त और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार किया जा सकता है।

विद्यालयों में हो सिर्फ पढाई -जेडी घनश्याम सोनी

जबलपुर संभाग के 53 विद्यालयों का ऑनलाइन निरिक्षण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, जबलपुर संभाग श्री घनश्याम सोनी के निर्देशानुसार संभाग के विभिन्न जिलों के शासकीय विद्यालयों का ऑनलाइन निरीक्षण कराया गया। निरीक्षण दल में उप संचालक श्री पी.पी. सिंह, सहायक संचालक श्रीमती रश्मि झारिया, प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती उर्मिला पाठक एवं सहायक सांख्यिकी अधिकारी श्रीमती सुषमा पटेल शामिल रहीं। निरीक्षण के दौरान कुल 53 विद्यालयों का ऑनलाइन निरिक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान प्रमुख रूप से निम्न बिंदु सामने आए—

* शासकीय हाई स्कूल कोदरी, विकासखंड मझौली में शिक्षकों द्वारा नियमित लेसन प्लान तैयार नहीं किया जा रहा है।

* शासकीय हाई स्कूल कन्या, करहीवाड़ा (सिवनी) में समय से पूर्व विद्यालय बंद किए जाने, छात्र संख्या तैयार नहीं किए जाने तथा प्रधानाचार्य डायरी का संधारण नहीं किए जाने की स्थिति पाई गई।

* एक विद्यालय में संबंधित शिक्षिका की अनुपस्थिति तथा प्रधानाचार्य डायरी का संधारण नहीं किया जाना पाया गया।

* शासकीय हाई स्कूल बसेगांव, बालाघाट में विद्यालय परिसर अव्यवस्थित, शौचालय गंदे, विद्यार्थियों की उपस्थिति कम तथा शिक्षक डायरी का संधारण नहीं पाया गया।

* शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल पनार, डिंडौरी में विद्यार्थियों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम तथा प्रधानाचार्य डायरी का संधारण नहीं किया जा रहा था।

* कुछ विद्यालयों में लंबित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक अभिलेखों के अद्यतन में भी लापरवाही पाई गई।

संयुक्त संचालक श्री घनश्याम सोनी ने कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित शैक्षणिक गतिविधियां, अभिलेखों का समुचित संधारण तथा स्वच्छ एवं अनुशासित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना प्रत्येक संस्था प्रमुख की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया कि निरीक्षण में चिन्हित कमियों का शीघ्र निराकरण कर अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। साथ ही स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार के ऑनलाइन एवं औचक निरीक्षण नियमित रूप से जारी रहेंगे तथा लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शीतल लाल राजू का निधन

जबलपुर। चेरीताल वार्ड, तुलसी नगर, हाया इस्कूल के सामने, निवासी शिव राजू के पिता श्री शीतलम लाल राजू का 40 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अंतिम यात्रा आज रविवार को उन्हें निवास्थान से प्रात: 10 बजे रानीताल मुक्ति धाम में के लिए प्रस्थान होगी।

दान की महिमा और विनम्रता का अद्भुत प्रसंग

एक बार एक महिला अपनी विवाह योग्य बेटी को लेकर गोस्वामी तुलसीदास जी के पास पहुँची। उसने विनम्रता से कहा, महाराज! मेरी बेटी की शादी करनी है, लेकिन मेरी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। कृपया कुछ सहायता कर दीजिए।

तुलसीदास जी मुस्कुराए और बोले, माता! मैं तो एक साधारण झोपड़ी में रहने वाला संत हूँ। मेरे पास देने के लिए धन कहाँ है? इतना कहकर उन्होंने रहीम जी के नाम एक पत्र लिखा और महिला से कहा, तुम यह पत्र लेकर रहीम जी के पास चली जाओ।

उस समय रहीम जी बादशाह अकबर के दरबार के प्रमुख नवरत्नों में से एक थे और एक बड़े सूबेदार (गवर्नर) के पद पर आसीन थे।

महिला अपनी बेटी के साथ रहीम जी के पास पहुँची और तुलसीदास जी का पत्र उन्हें सौंप दिया। पत्र पढ़ते ही रहीम जी ने बिना किसी संकोच के उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायता कर दी।

कुछ समय बाद महिला अपनी बेटी के साथ पुन: तुलसीदास जी के पास पहुँची। तुलसीदास जी ने पूछा, माता! रहीम जी ने तुम्हारी सहायता तो कर दी, लेकिन दान देते समय उनका व्यवहार कैसा था? महिला ने उत्तर दिया, महाराज! उन्होंने बहुत सम्मानपूर्वक सहायता की, पर मैंने एक बात देखी कि जब वे दान दे रहे थे, तब उनकी आँखें नीचे झुकी हुई थीं।卐

यह सुनकर तुलसीदास जी ने रहीम जी के लिए एक दोहा लिखा—

ऐसी देनी देन जू, कित सीखे हो सैन।
ज्यों-ज्यों कर ऊँच्यो करो, त्यों-त्यों नीचे नैन॥

जब यह पत्र रहीम जी के पास पहुँचा, तो उन्होंने बड़े विनम्र भाव से उत्तर दिया—

देनहार कोई और है, भेजत है दिन रैन।
लोग भरम हम पर करें, ताते नीचे नैन॥

अर्थात्, वास्तविक दाता तो परमात्मा हैं, जो दिन-रात सबको देते रहते हैं। लोग भ्रमवश हमें दानी मान लेते हैं, इसलिए दान देते समय हमारी आँखें विनम्रता से झुकी रहती हैं।

यही इस प्रसंग की सबसे बड़ी सीख है—दान का मूल्य धन में नहीं, बल्कि विनम्रता और निस्वार्थ भाव में होता है।

इन्द्रपुरी गोस्वामी जबलपुर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना मदनमहल में रात सुरेन्द्र भलावी उम्र 38 वर्ष निवासी टॉल के पास गंगासागर रोड आमनपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि शाम वह एवं बड़े भैया सूरज भलावी, पड़ौसी देव सिंह शाहीनाका गंगानगर से मजदूरी करके तीनों 2 मोटर सायकल से घर वापस आ रहे थे, 1 मोटर सायकल से वह एवं बड़े भैया सूरज भलावी और पड़ौसी गांव के देव सिंह उइके बैठे थे वह एक मोटर सायकल में वह अकेले जा रहहा था जैसे ही हम लोग गंगासागर रोड होते हुये बर्फफैक्ट्री के पास पहुँचे तभी पीछे से आ रही

थाना प्रभारियों को एसपी का स्पष्ट संदेश, कार्रवाई करें, वरिष्ठ अधिकारियों के नाम का सहारा न लें

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अपराध नियंत्रण की प्रभावी रणनीति केवल बैठकों और निर्देशों तक सीमित नहीं रह सकती. यही संदेश गुरुवार को पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने अपराध समीक्षा बैठक के दौरान जिले के सभी थाना प्रभारियों को दिया. पुलिस नियंत्रण कक्ष में आयोजित बैठक में एसपी ने साफ शब्दों में कहा कि अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करना थाना प्रभारी की प्राथमिक जिम्मेदारी है. कार्रवाई करते समय यह बताने की आवश्यकता नहीं कि आदेश किस अधिकारी ने दिया है. वरिष्ठ अधिकारियों का नाम लेकर जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति अब स्वीकार नहीं की जाएगी.

दरअसल, यह निर्देश केवल प्रशासनिक अनुशासन का मामला नहीं है, बल्कि पुलिसिंग की जवाबदेही तय करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. कई बार यह देखने में आता है कि किसी कार्रवाई के दौरान पुलिस अधिकारी यह कहते हैं कि उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर कार्रवाई की है, जबकि कार्रवाई की वैधानिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी संबंधित थाना प्रभारी की होती है. ऐसे में यदि कार्रवाई विवादों में घिरती है तो जवाबदेही तय करने में कठिनाई आती है. एसपी का यह संदेश स्पष्ट करता है कि अब प्रत्येक थाना प्रभारी को अपने अधिकारों और दायित्वों के अनुरूप निर्णय लेने होंगे.

बैठक में अपराध नियंत्रण की समीक्षा करते हुए एसपी सम्पत उपाध्याय ने स्पष्ट किया कि यदि किसी थाना क्षेत्र में अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं होगी तो संबंधित थाना प्रभारी स्वयं इसके लिए जिम्मेदार होंगे. इसका सीधा अर्थ है कि अपराध नियंत्रण में ढिलाई अब व्यक्तिगत जवाबदेही के दायरे में मानी जाएगी.

बैठक के दौरान भेड़ाघाट क्षेत्र में संचालित जुआ फड़ के संजीवनी नगर क्षेत्र में सक्रिय होने की सूचना पर भी गंभीरता दिखाई गई. संजीवनी नगर थाना पुलिस को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए. साथ ही सभी थाना प्रभारियों से कहा गया कि वे आपसी समन्वय मजबूत रखें और अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी बनाए रखें, ताकि अपराधियों को एक थाना क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में जाकर सक्रिय होने का अवसर न मिले.

समीक्षा बैठक में हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, झपटमारी, नकबजनी, एससी-एसटी एक्ट तथा महिला संबंधी अपराधों की लंबित विवेचनाओं की भी समीक्षा की गई. एसपी ने इन गंभीर अपराधों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण करने और समय-सीमा में विवेचना पूरी कर न्यायालय में चालान प्रस्तुत करने के निर्देश दिए.

महिला अपराधों को लेकर भी पुलिस अधीक्षक ने सख्त रुख अपनाया. उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए तथा पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जाए. उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला अपराधों में किसी भी स्तर की लापरवाही स्वीकार नहीं होगी.

गुम एवं अपहृत नाबालिग बालक-बालिकाओं की तलाश को भी बैठक में सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई. एसपी ने निर्देश दिए कि यदि किसी नाबालिग के जिले से बाहर होने की सूचना मिले तो तत्काल विशेष टीम गठित कर उसकी दस्तयाबी सुनिश्चित की जाए. इससे स्पष्ट है कि पुलिस अब ऐसे मामलों में त्वरित और समन्वित कार्रवाई की नीति पर काम करेगी.

बैठक में सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई और वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त लंबित शिकायतों की भी समीक्षा की गई. जिन थानों में शिकायतों की संख्या अधिक पाई गई, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए गए. एसपी ने दो टूक कहा कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

पुलिस महकमे के लिए यह बैठक केवल नियमित अपराध समीक्षा नहीं थी, बल्कि जवाबदेही, नेतृत्व और कार्यसंस्कृति को लेकर स्पष्ट संदेश देने वाली साबित हुई. थाना प्रभारियों को यह संकेत दिया गया कि अब केवल वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का हवाला देकर जिम्मेदारी से बचने की गुंजाइश नहीं होगी. अपराध नियंत्रण, विवेचना की गुणवत्ता, लंबित मामलों का निराकरण और जनता की शिकायतों के समाधान के लिए प्रत्येक थाना प्रभारी को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी माना जाएगा.

पुलिस प्रशासन के इस रुख को कानून-व्यवस्था को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है. यदि इन निर्देशों का सख्ती से पालन होता है तो अपराध नियंत्रण के साथ-साथ पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनता का विश्वास भी मजबूत होने की संभावना है.

जर्जर चार मंजिला भवन बना चुनौती, शेष हिस्सा गिराने में नगर निगम के छूट रहे पसीने

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। .शहर के सबसे व्यस्त और सघन व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल बड़ा फुहारा स्थित जर्जर चार मंजिला भवन का शेष हिस्सा तीन दिन बाद भी नहीं गिराया जा सका है. मंगलवार को भवन का अगला हिस्सा भरभराकर गिरने के बाद से नगर निगम लगातार इसे पूरी तरह ध्वस्त करने के प्रयास में जुटा है, लेकिन अब तक सफलता नहीं मिल सकी है. भवन का बचा हुआ हिस्सा अब भी खड़ा होने से आसपास के क्षेत्र में हादसे का खतरा बना हुआ है. बरसात के मौसम और बाजार में लोगों की आवाजाही को देखते हुए नगर निगम अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है. नगर निगम के इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि भवन को इस तरह गिराया जाए कि आसपास स्थित अन्य इमारतों, दुकानों और लोगों को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे. अधिकारियों के अनुसार यदि भवन सीधे नीचे गिरता है

तो मलबे का दबाव गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है, जबकि दाएं या बाएं गिरने की स्थिति में आसपास की व्यावसायिक और आवासीय इमारतों को भारी क्षति पहुंचने की आशंका है. इसी कारण भवन को नियंत्रित तरीके से ध्वस्त करने की रणनीति पर काम किया जा रहा है. भवन को गिराने के लिए नगर निगम ने आधुनिक मशीनों के साथ पारंपरिक तरीकों का भी सहारा लिया. सबसे पहले भवन के सामने लगभग 80 डंपर मिट्टी डालकर अस्थायी रैंप तैयार किया गया, ताकि भारी मशीनों को ऊंचाई तक पहुंचाया जा सके. इसके बाद वन और टू हंड्रेड मशीनों की मदद से भवन के ऊपरी हिस्से को तोड़ने का प्रयास किया गया. मशीनों के पंजों से भवन का कुछ हिस्सा कमजोर भी हुआ, लेकिन पूरा ढांचा नहीं गिर पाया. इसके बाद अत्याधुनिक टर्न टेबल लैडर वाहन और स्टील वायर की सहायता से भी भवन को नियंत्रित ढंग से गिराने का प्रयास किया गया, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिली. अंततः नगर निगम के कर्मचारियों ने हथौड़ा और सब्बल जैसे पारंपरिक उपकरणों की मदद से भी तुड़ाई की, फिर भी भवन का शेष खतरनाक हिस्सा जस का तस खड़ा रहा. लगातार तीन दिनों से चल रहे इस अभियान के बावजूद सफलता नहीं मिलने से निगम की चुनौती और बढ़ गई है. गुरुवार को महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू भी मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से अभियान की जानकारी ली. उन्होंने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सावधानीपूर्वक कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए.

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, पुलिस ने ग्राहक बनाकर भेजा पंटर, दो महिलाओं समेत 7 हिरासत

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अधारताल थाना क्षेत्र से देह व्यापार से जुड़ा एक बड़ा मामला सामने आया है। पुलिस ने सुहागी पत्नी मोहल्ला में चल रहे एक कथित सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से दो महिलाओं और पांच पुरुषों को हिरासत में लिया है।

जानकारी के अनुसार, अधारताल पुलिस को सुहागी पत्नी मोहल्ला के एक मकान में अनैतिक गतिविधियों के संचालन की गोपनीय सूचना मिली थी। सूचना की तस्दीक के लिए पुलिस ने एक ठोस रणनीति बनाई। योजना के तहत पुलिस ने सबसे पहले एक पंटर (फर्जी ग्राहक) तैयार कर सौदेबाजी के लिए उस संदिग्ध मकान में भेजा।

जैसे ही फर्जी ग्राहक के जरिए देह व्यापार की सूचना की शत-प्रतिशत पुष्टि हुई, बाहर मुस्तैद खड़ी पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाए मकान पर अचानक छापा मार दिया। अचानक हुई इस छापेमारी से मौके पर हड़कंप मच गया। पुलिस ने घेराबंदी कर कमरे के भीतर से कुल 7 लोगों को पकड़ा, जिसमें 5 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं।

पकड़े गए सभी आरोपियों को तुरंत हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए महिला थाना स्थानांतरित किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ की जा रही है ताकि इस रैकेट के मुख्य सरगना और इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा सके। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है और पूछताछ के आधार पर आगे की वैधानिक व दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

घर के सामने क्यों खड़े हो कहने पर भड़का युवक, हलवाई के मकान पर फेंके सुअर मार बम

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बेलबाग थाना क्षेत्र के प्रेमसागर इलाके में शुक्रवार दोपहर उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक युवक ने मामूली सी बात पर विवाद करते हुए एक घर पर सुअर मार बम फेंक दिए। बम फटने की तेज आवाज से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मामूली बात पर शुरू हुआ था विवाद

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रेमसागर निवासी 51 वर्षीय सुनील कुमार गुप्ता पेशे से हलवाई हैं। शुक्रवार (10 जुलाई 2026) की दोपहर करीब 12ः15 बजे सुनील गुप्ता ने देखा कि उनके घर के ठीक सामने समीर वंशकार नाम का एक युवक खड़ा है। सुनील गुप्ता ने उसे टोकते हुए कहा कि उनके घर के सामने फालतू क्यों खड़े हो और उसे वहाँ से जाने के लिए कहा।

जेब से निकालकर फेंके सुअर मार बम

जाने की बात सुनते ही आरोपी समीर वंशकार आगबबूला हो गया और सुनील गुप्ता के साथ मां-बहन की अभद्र गालियां गलौज करने लगा। विवाद इतना बढ़ा कि समीर ने अपनी जेब में रखे सुअर मार बम निकाले और एक के बाद एक सुनील गुप्ता के घर के दरवाजे और दीवार पर फेंक मारे। बम दीवार से टकराते ही जोरदार धमाके के साथ फट गए, जिससे घर के आसपास धुआं और दहशत फैल गई।

जान से मारने की धमकी देकर भागा आरोपी

बमबाजी की इस वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी समीर वंशकार पीड़ित सुनील गुप्ता को जान से मारने की खुली धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने बेलबाग थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी समीर वंशकार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) की धारा 296(बी), 351(2) और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3 व 5 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस टीम आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

रांझी थाना क्षेत्र में चले चाकू, दो घायल; जान से मारने की धमकी देते हुए बदमाश मौके से फरार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रांझी थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपये नहीं देने पर दो युवकों ने चाकू से हमला कर दो लोगों को घायल कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम उमरिया डिरहा, मझौली निवासी 42 वर्षीय पंजी कोल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका साला अनिल कोल रांझी के बड़ा पत्थर क्षेत्र में रहता है और उसका उपचार विक्टोरिया अस्पताल में चल रहा है। वह 7 जुलाई की शाम साले से मिलने के बाद रात में उसके घर रुका था।

रात करीब 9ः30 बजे वह बीड़ी लेने रतन पान दुकान गया था। लौटते समय कुलिया के पास वीरेन्द्र कोल और सुक्कू कोल शराब पीते मिले। आरोप है कि दोनों ने खुद को क्षेत्र का गुंडा बताते हुए शराब पीने के लिए 500 रुपये मांगे। रुपये देने से इनकार करने पर दोनों ने गाली-गलौज शुरू कर दी।

शिकायत के मुताबिक, वीरेन्द्र कोल ने चाकू से हमला कर पंजी कोल की दाहिनी आंख के पास चोट पहुंचाई। बीच-बचाव करने आए अनिल कोल के दामाद शंकर गोटिया पर भी सुक्कू कोल ने चाकू से हमला कर उसके दाहिने हाथ में घायल कर दिया। वारदात के बाद दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

रांझी थाना पुलिस ने शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

नाबालिग के प्रसव मामले में साईं अस्पताल पर उठे गंभीर सवाल, विश्व हिंदू परिषद के हंगामे के बाद जांच तेज

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नाबालिग लड़की के कथित शोषण और प्रसव से जुड़े मामले ने शुक्रवार को नया मोड़ ले लिया. मामले में साईं अस्पताल की भूमिका को लेकर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने अस्पताल पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए. कार्यकर्ताओं का कहना है कि नाबालिग का अस्पताल में प्रसव कराया गया, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने न तो उसके आवश्यक दस्तावेज सुरक्षित रखे और न ही मामले की सूचना पुलिस को दी. घटना के सामने आने के बाद पुलिस ने पूरे प्रकरण की जांच तेज कर दी है और अस्पताल की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई है. जानकारी के अनुसार, मामला एक नाबालिग लड़की से जुड़ा है, जिसका कथित रूप से साईं अस्पताल में प्रसव कराया गया था. आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने मरीज की उम्र, पहचान और अन्य जरूरी दस्तावेजों

का समुचित रिकॉर्ड नहीं रखा. साथ ही यह भी आरोप लगाया गया कि मामला नाबालिग से जुड़ा होने के बावजूद इसकी सूचना संबंधित पुलिस थाना या अन्य सक्षम प्राधिकार को नहीं दी गई. इसी को लेकर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं में नाराजगी बढ़ी और उन्होंने अस्पताल पहुंचकर विरोध दर्ज कराया. प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने अस्पताल प्रबंधन से पूरे मामले की जानकारी मांगी और आरोप लगाया कि यदि समय रहते पुलिस को सूचना दी जाती तो मामले की जांच पहले ही शुरू हो सकती

फर्जी बिल बुक मिलने पर एफआईआर दर्ज- खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई

अवैध रूप से भंडारित रेत व पोकलेन मशीन जब्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने तहसील पाटन क्षेत्र में अवैध खनिज गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ग्राम हरदुआ में अवैध रेत भंडारण पर कार्रवाई की तथा ग्राम गाड़ाघाट टोल के पास फर्जी बिल बुक मिलने के मामले में एफआईआर दर्ज कराई है।

खनिज अधिकारी ए.के. राय ने बताया कि एसडीएम पाटन सुश्री सृष्टि प्रजापति के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी सिहोरा आईपीएस आदित्य सिन्हारिया के नेतृत्व में गत दिवस ग्राम हरदुआ में संयुक्त रूप से आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान करीब दो हाईवा रेत का अवैध भंडारण पाया गया। मौके से एक पोकलेन मशीन भी लावारिस अवस्था में मिली। रेत और पोकलेन मशीन को जब्त कर आगामी आदेश तक थाना प्रभारी पाटन की अभिरक्षा में रखा गया है। मामले में कलेक्टर को प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

इसी कार्यवाही के दौरान ग्राम गाड़ाघाट टोल के पास खनिज रेत के परिवहन एवं खनन में उपयोग की जा रही अवैध बिल बुक बरामद की गई। गोविंद धुर्वे पिता प्रकाश धुर्वे से उक्त रसीद बुक जब्त की गई। प्रथम दृष्टया फर्जी तरीके से खनिज रेत के परिवहन एवं व्यापार में संलिप्तता पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही के लिए थाना पाटन में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

इस कार्यवाही में तहसीलदार पाटन सच्चिदानंद त्रिपाठी, थाना प्रभारी पाटन गोविंद सिंह राजपूत, खनिज निरीक्षक विवेकानंद यादव, पटवारी, होमगार्ड महेंद्र पटेल सहित पुलिस, राजस्व एवं खनिज विभाग का अमला उपस्थित रहा।

जबलपुर के दम्पति के साथ हैदराबार में 22 लाख रुपए की ठगी, किडनी दिलाने के नाम पर हड़पे रुपए

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर स्थित विजय नगर में रहने वाली महिला को किडनी दिलाने के नाम पर 22 लाख रुपए ठगी हो गई. वह उपचार एवं किडनी प्रत्यारोपण कराने के लिए हैदराबाद गई थी, जहां उन्हें एवं उनके पति को एक महिला एवं पुरुष मिले. उन्होंने अंगदान के नाम पर 22 लाख रुपये की ठगी कर ली. मामले में दंपती की ओर से की गई शिकायत के आधार पर विजयनगर थाना में आरोपितों जयंत साहू और सुष्मिता नायक पर एफआईआर दर्ज कर ली है.

पुलिस अधिकारियों द्वारा यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपित किसी किडनी बेचने वाले गिरोह में शामिल तो नहीं हैं. लमती निवासी महेश परियानी की पत्नी भावना गंभीर किडनी रोग से पीड़ित हैं. उनके उपचार के लिए गत वर्ष वे हैदराबाद के एक निजी अस्पताल पहुंचे थे. जांच के बाद चिकित्सकों ने किडनी प्रत्यारोपण की आवश्यकता बताई. इसी दौरान अस्पताल में उनकी मुलाकात जयंत साहू और सुष्मिता नायक से हुई. दोनों ने बताया कि वह ओडिशा के कटक में रहते हैं. अंगदान की प्रक्रिया से जुड़ी एक सामाजिक संस्था के सदस्य हैं. दोनों ने परियानी को बताया कि उनकी संस्था अंगदान की प्रक्रिया के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को किडनी उपलब्ध कराती हैं.

उन्होंने परियानी से कहा कि यदि 22 लाख रुपये सुरक्षा राशि के रूप में जमा कर दिए जाएं तो उनकी पत्नी के लिए किडनी डोनर की व्यवस्था कर दी जाएगी. यदि तय समय पर कोई डोनर उपलब्ध नहीं होता है तो उन्हे राशि वापस करने का आश्वासन दिया. पत्नी के उपचार की जरुरत को समझते हुए परियानी दोनों के बातों में आ गए. स्वजन एवं परिचितों से राशि एकत्रित कर कुल 22 लाख रुपये जयंत और सुष्मिता को दे दिए.

बाद में उन्हें पता चला कि कथित संस्था फर्जी है और यह किडनी के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह है. तब तक किडनी डोनर भी उपलब्ध नहीं हुआ. इस पर परियानी ने जयंत और सुष्मिता से रुपये वापस मांगे तो उन्होंने एक बैंक चैक थमा दिया, जो बैंक में लगाने पर बाउंस हो गया. इसके बाद परियानी विजय नगर थाना पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई. पुलिस को आशंका है कि अस्पताल के कर्मी भी दोनों आरोपित के साथ संलिप्त हो सकते है. मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है.

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096